हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 11 | श्रावस्ती, मंगलवार 17 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

36 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था सिक्किम पहुंचा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पांच साल के निलंबन के बाद सिक्किम में नाथुला दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हो गई है, जो हिंदू श्रद्धालुओं और भारत–चीन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला समूह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा है और सोमवार को मौसमी अनुकूलन के लिए '17 माइल' क्षेत्र चला गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होते हुए कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचेंगे। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 20 जून को तीर्थयात्री भारत–चीन सीमा पार करेंगे। उन्होंने बताया कि यह समूह जिसमें विदेश मंत्रालय के दो अधिकारी भी शामिल हैं रविवार शाम को गंगटोक पहुंचा।

अमित शाह ने आपदा प्रबंधन को लेकर दिया मंत्र

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की सराहना की, जिससे भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंच गया। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि इंटरस्टेट मॉक ड्रिल को सालाना कार्यक्रम बनाया जाए। मेरा मानना घ्है कि राज्यों की मदद के बिना यह संभव नहीं है। कई चक्रवात, कई आपदाएँ ऐसी होती हैं जिनके लिए इंटरस्टेट मॉक ड्रिल की आवश्यकता होती है और हम राज्यों की मदद के बिना यह नहीं कर सकते। अमित शाह ने आगे कहा कि हम आने वाले दिनों में इस पर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम स्टार्टअप इंडिया को आपदा राहत तकनीक के विकास से भी जोड़ना चाहते हैं।

सिंधु का अतिरिक्त जल राजस्थान की ओर मोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद अब भारत ने जम्मू–कश्मीर से अतिरिक्त जल प्रवाह को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की ओर मोड़ने के लिए 113 किलोमीटर लंबी नहर के निर्माण की योजना पर काम करने के लिए अध्ययन शुरू किया है। बताया जा रहा है कि चेनाब को रावी–ब्यास–सतलुज से जोड़ने वाली यह नहर न केवल पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलुज) के पूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करेगी, बल्कि भारत को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चेनाब) में अपनी आवंटित हिस्सेदारी का पूरा उपयोग करने में भी मदद करेगी। हम आपको बता दें कि अभी पिछले सप्ताह ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सिंधु का जल ष्तीन वर्षों के भीतरष नहरों के माध्यम से राजस्थान के श्रीगंगानगर तक ले जाया जाएगा।

खड़गे ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार मनरेगा को नष्ट करने की कोशिश कर रही है और इस योजना के कार्यान्वयन में कटौती करना संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार गरीबों की जीवन–रेखा मनरेगा को तड़पा–तड़पा कर खघ्त्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60: तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम का अधिकार का कानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खघ्लिाफ अपराध है।

आतंकवाद पर साथ देने के लिए साइप्रस को कहा शुक्रिया, मिडिल ईस्ट संघर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली की लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन के लिए सोमवार को आभार व्यक्त किया। उनकी टिप्पणियों ने जम्मू–कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों में पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद की ओर इशारा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के लिए साइप्रस का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने निकोसिया में द्विपक्षीय बैठक के बाद साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान कहा कि सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन के लिए हम आभारी हैं। आतंकवाद, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए, हमारी एजेंसियों के बीच वास्तविक समय की सूचना के आदान–प्रदान के लिए एक तंत्र विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का मुद्दा भी उठाया और अपनी प्रसिद्ध उक्ति दोहराते हुए कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। उन्होंने इजरायल–ईरान युद्ध का नाम लिए बिना कहा कि हमने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता व्यक्त की। हमारा मानना घ्है कि यह युद्ध का युग नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन देने के लिए साइप्रस को धन्यवाद दिया। संयुक्त राष्ट्र को और अधिक समसामयिक बनाने के लिए आवश्यक सुधारों पर हम समान विचार रखते हैं।

हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन करने के लिए साइप्रस के आभारी हैं। उल्लेखनीय रूप से साइप्रस ने भारत को न्छैब का स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया है। साइप्रस उन देशों में से है जो स्थायी सीट के लिए भारत की दावेदारी का स्पष्ट और खुले तौर पर समर्थन करते हैं। जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसी प्रमुख शक्तियों ने भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है, चीन अभी भी हिचकिचा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की साइप्रस यात्रा तुर्की के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच महत्वपूर्ण है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का समर्थन किया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद अंकारा के रुख से भारत में आक्रोश फैल गया और तुर्की के बहिष्कार की मांग तेज हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइप्रस के निकोसिया स्थित राष्ट्रपति भवन में आधिकारिक स्वागत किया गया। साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय साइप्रस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह दो दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की पहली यात्रा है। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने निकोसिया में राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत की।

यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। साइप्रस के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता व्यक्त की।

साइप्रस ने पीएम मोदी को दिया सर्वोच्च सम्मान, प्रधानमंत्री ने १४० करोड़ भारतीयों को किया समर्पित

नयी दिल्ली (एजेन्सी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, ''साइप्रस के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय सम्मान को प्राप्त करके मैं बहुत खुश हूं। मैं इसे हमारे देशों के बीच की मित्रता को समर्पित करता हूं। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने मोदी को सम्मानित किया। इस सम्मान का नाम साइप्रस के पहले राष्ट्रपति आर्चबिशप मकारियोस तृतीय के नाम पर रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को यह सम्मान समर्पित करते हुए कहा कि यह भारत–साइप्रस की भरोसेमंद दोस्ती का सम्मान है। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी सक्रिय साझेदारी नई ऊंचाइयों को छुएगी। हम मिलकर न केवल अपने दोनों देशों की प्रगति को मजबूत करेंगे बल्कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित विश्व के निर्माण में भी योगदान देंगे। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स पर कहा, ''राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साइप्रस के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया। यह सम्मान भारत–साइप्रस के बीच स्थायी द्विपक्षीय साझेदारी और शांति, प्रगति एवं समृद्धि के साझा दृष्टिकोण के लिए मिलकर काम करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में साइप्रस में हैं। वह साइप्रस से कनाडा जाएंगे और जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद वह क्रोएशिया की यात्रा करेंगे।

बिहार के डिप्टी सीएम का लालू परिवार पर बड़ा आरोप, बताया- जंगलराज वाली मानसिकता

पटना (एजेन्सी) बिहार के डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने लालू परिवार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लालू यादव की सोच और मानसिकता अब भी पुराने जंगलराज वाली ही है। विजय सिन्हा ने बिहार के विकास पर भी कई महत्वपूर्ण बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में मजबूत आधार पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि गया और पटना के बीच यात्रा समय 4–5 घंटे से घटकर 2–2.5 घंटे हो जाएगा, और उनका लक्ष्य है कि बिहार के किसी भी जिले से राजधानी पटना 3 घंटे में पहुंचना संभव हो। एक्सप्रेसवे और सीमित एक्सेस रोड जैसे आधुनिक निर्माण से यह सपना साकार हो रहा है।बिहार में मजबूत आधार पर विकास हो रहा है, जिससे राज्य की तस्वीर बदल रही है। गया और पटना के बीच यात्रा समय में काफी कमी आएगी, जिससे यात्रियों को सुविधा होगी। एक्सप्रेसवे और सीमित एक्सेस रोड जैसे आधुनिक निर्माण से राज्य का विकास हो रहा है। विजय सिन्हा ने लालू यादव पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लालू यादव की सोच और मानसिकता अब भी पुराने जंगलराज वाली ही है, और उन्होंने बिहार को बदनाम और कलंकित करने का काम किया है। उन्होंने तेजस्वी यादव की मांग पर भी तंज कसा है, और कहा कि लालू यादव के शासन में सत्ता में झाड़ू देने वाले और खाना बनाने वाले भी शामिल थे, सिर्फ रिश्तेदारी के आधार पर। विजय सिन्हा ने लालू परिवार पर परिवारवाद और ससुरालवाद फैलाने का आरोप लगाया है।उन्होंने कहा कि लालू यादव की सोच और मानसिकता अब भी पुराने जंगलराज वाली ही है।विजय सिन्हा ने कहा कि लालू यादव की जमात में महापुरुषों और दलितों का कोई सम्मान नहीं है। विजय सिन्हा ने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उनका चेहरा साफ है, पारदर्शी है, और वंशवाद से मुक्त है।

पीलीभीत कार्यालय मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की समाजवादी पार्टी की याचिका

नयी दिल्ली (एजेन्सी) समाजवादी पार्टी को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय को खाली कराए जाने के प्रशासन के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं बनता है। हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने में समाजवादी पार्टी ने 988 दिन की देरी की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर उन्हें अपना पक्ष रखना है तो वे हाई कोर्ट जा सकते हैं। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पीलीभीत में समाजवादी पार्टी ऑफिस को खाली कराने के लिए जारी नोटिस को रद्द करने से इनकार कर दिया था।इस मामले को लेकर इलाके में बीते दिनों हुए प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने पीएसी तैनात कर दी है और ड्रोन से इलाके की निगरानी रखी जा रही है। बता दें कि पीलीभीत जिला प्रशासन ने 16 जून तक समाजवादी पार्टी के कार्यालय को खाली करने का नोटिस दिया है। प्रशासन का दावा है कि समाजवादी पार्टी का कार्यालय नगर पालिका के अधिकारी के आवास में चल रहा है, जबकि पार्टी का कहना है कि 2005 में नियमों के तहत इसे आवंटित किया गया था, तब से पार्टी इस जगह से काम कर रही है। 10 जून को समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के आधिकारिक एक्सश हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया था, जिसमें पुलिस सपा कार्यालय में मौजूद दिख रही है। इस वीडियो को शेयर करते हुए समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के अकाउंट से लिखा गया, पीलीभीत में सपा जिला कार्यालय को जबरन सत्ता की ताकत से खाली करवाने का भाजपाई प्रयास बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। सपा से भाजपा के डर का ये प्रमाण है, अब भाजपा की सरकार सत्ता में मदांध होकर राजनीतिक ईर्ष्या और विद्वेषपूर्ण भावना के तहत कार्य कर रही है। जबकि मामला न्यायालय में

विचाराधीन है, ऐसे में जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला ना आ जाए, इस मामले में पुलिसिया कार्रवाई न सिर्फ अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक बल्कि ज्यादती है और ये विपक्ष के अधिकार एवं सम्मान का हनन है। भाजपा जिस तरह से सत्ता का इस्तेमाल कर रही है ये बेहद शर्मनाक है। जनता की अदालत में भाजपा को जवाब देना ही पड़ेगा।

२३ साल की मॉडल का गला रेतकर हत्या, नहर में मिली डेडबॉडी

सोनीपत (एजेन्सी) हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखौदा क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी मॉडल शीतल चौधरी की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी गई। उनका शव गांव खांडा के पास स्थित रिलायंस नहर से बरामद हुआ है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका शीतल चौधरी पानीपत की रहने वाली थीं और हरियाणवी म्यूजिक वीडियो में मॉडलिंग करती थीं। 14 जून को वह गांव अहर में एक शूटिंग के लिए गई थीं, लेकिन घर वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और 16 जून को उनका शव रिलायंस नहर से बरामद किया।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, शीतल की गला रेतकर हत्या की गई है। शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की पुष्टि होती है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में यह मामला सुनियोजित प्रतीत हो रहा है। कुछ सूत्रों के अनुसार, शीतल अपने दोस्त सुनील के साथ कार में सवार होकर निकली थीं, और इसी दौरान उनकी कार नहर में गिर गई थी। सुनील को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, शीतल के परिजनों ने सुनील पर हत्या का आरोप लगाया है, क्योंकि शव पर चोट के निशान मिले हैं और हाथ व गला भी कटा हुआ था। सोनीपत पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। डीएसपी ने कहा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं और मामले की गहन जांच जारी है। इस जघन्य हत्या ने न केवल सोनीपत बल्कि पूरे हरियाणा में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों में यह सवाल उठ रहा है कि आखिरकार एक युवा और प्रतिभाशाली मॉडल की हत्या क्यों की गई और इसके पीछे कौन से कारण हो सकते हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही किया जाएगा। इस मामले में किसी भी प्रकार की साजिश या व्यक्तिगत रंजिश की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद से शीतल के परिवार और उनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गई है। लोगों ने सोशल मीडिया पर शीतल की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थनाएं की हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने इस मामले को प्राथमिकता से लिया है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

मोहम्मद अजहरुद्दीन के बेटे की सियासत में एंट्री, इस पार्टी ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मोहम्मद अजहरुद्दीन के बेटे ने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए राजनीति में प्रवेश किया है। मोहम्मद असदुद्दीन उन 69 महासचिवों में शामिल हैं, जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में पार्टी नेतृत्व द्वारा तेलंगाना कांग्रेस में नियुक्त किया गया था। असदुद्दीन रणजी ट्रॉफी मैचों में भी खेल चुके हैं और अब अपने पिता की तरह राजनीति में प्रवेश करेंगे। 35 वर्षीय असदुद्दीन की नियुक्ति हैदराबाद की जुबली हिल्स सीट के खाली होने के बाद हुई, जब विधायक मगंती गोपीनाथ की रविवार को दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। इससे यह भी अटकलें लगाई जाने लगीं कि असदुद्दीन कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले उम्मीदवार हो सकते हैं। फिर नवंबर 2023 में तेलंगाना चुनाव में, अजहरुद्दीन जुबली हिल्स से कांग्रेस के उम्मीदवार भी थे, और वे मौजूदा विधायक के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद बीआरएस के मगंती से 16,337 वोटों के अंतर से हार गए। उन्होंने कहा, ''मैं निश्चित रूप से लोगों की सेवा करूंगा और उनके साथ रहूंगा। अगर मैं लोगों के जीवन में कुछ बदलाव ला सका, तो मुझे बहुत खुशी होगी। अपनी नयी भूमिका को ''बड़ी जिम्मेदारी'' बताते हुए असदुद्दीन ने कहा कि वह पार्टी की विचारधारा के अनुरूप काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जनगणना का इंतजार खत्म, गृह मंत्रालय न नोटिफिकेशन किया जारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लंबे वक्त से जनगणना को लेकर हो रहा इंतजार, आखिरकार खत्म हो गया है। गृह मंत्रालय ने आज यानी सोमवार को जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत जनगणना और जातीय जनगणना से संबंधित आधिकारिक गैजेट अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के मुताबिक, साल 2027 में ये जनगणना कराई जाएगी। देश के ज्यादातर राज्यों में जनगणना के लिए 1 मार्च 2027 की आधी रात की तारीख को आधार माना जाएगा। लेकिन, ठंडे और बर्फबारी वाले इलाकों जैसे जम्मू–कश्मीर के कुछ हिस्से, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड में यह तारीख 1 अक्टूबर 2026 तय की गई है। खराब मौसम के मद्देनजर ये फैसला लिया गया है। जनगणना की पूरी प्रक्रिया एक मार्च 2027 तक पूरी कर ली जाएगी। जनगणना का प्राइमरी डेटा मार्च 2027 में ही जारी हो जाएगा। हालांकि विस्तृत डेटा जारी होने में साल के आखिर तक का इंतजार करना पड़ेगा। जनगणना की पूरी प्रक्रिया लगभग 21 महीनों में पूरी होगी।

जनगणना को दो चरण में पूरा किया जाएगा। एक मार्च 2027 की आधी रात तक देश की जनसंख्या और सामाजिक स्थिति का जो भी आंकड़ा होगा, वही रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। इसी को आधार माना जाएगा। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में हाउसलिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, परिसंपत्तियों और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद, दूसरे चरण में जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति का जनसांख्यिकीय, सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण लिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत में पिछली जनगणना साल 2011 में हुई थी। कोरोना महामारी के चलते 2021 की जनगणना स्थगित कर दी गई थी, इस कारण अगली जनगणना 16 साल बाद हो रही है।

जनगणना में जातिवार गणना भी की जाएगी। जनगणना गतिविधियों के लिए लगभग 34 लाख गणनाकार और पर्यवेक्षक तथा लगभग 1.3 लाख जनगणना कार्यकर्ता तैनात किए जाएंगे। भारत में जनगणना शुरू होने के बाद से यह 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना है। यह जनगणना 16 वर्षों के बाद

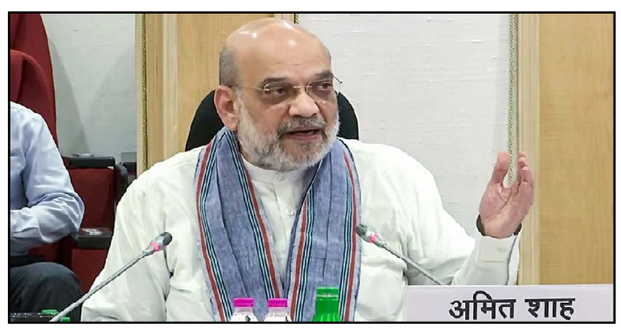

आयोजित की जाएगी, क्योंकि पिछली जनगणना 2011 में की गई थी। आगामी जनगणना मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करके डिजिटल माध्यम से की जाएगी। लोगों के लिए स्व–गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय ने 2027 में राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के संचालन के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। कोविड–19 महामारी के कारण विलंबित दशकीय जनगणना में अब डिजिटल डेटा संग्रह, स्व–गणना विकल्प और पहली बार जाति गणना की सुविधा होगी, जो 1 मार्च, 2027 तक पूरी हो जाएगी।

फ्रांस के बाद साइप्रस में बढ़ेंगी UPI सेवाएं, पीएम मोदी ने कहा, बातचीत आगे बढ़ेगी....

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय साइप्रस की यात्रा पर है। इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने भारत–साइप्रस सीईओ फोरम को संबोधित किया है। फोरम को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारत की आर्थिक ताकत, विकास और क्षमता पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि भारत ने एक उल्लेखनीय डिजिटल क्रांति की है, जिसमें यूपीआई वैश्विक स्तर पर सभी डिजिटल लेनदेन का 50 फीसदी हिस्सा है। पीएम मोदी ने इस दौरान फ्रांस के साथ अपनाए गए मॉडल के अनुरूप साइप्रस में भी यूपीआई सेवाएं विस्तारित करने पर चर्चा का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''फ्रांस जैसे कई देश इससे जुड़े हैं। साइप्रस को इसमें शामिल करने के लिए बातचीत जारी है। मैं इसका स्वागत करता हूं।

सम्पादकीय

एक नया संकट, इजरायल ने कर ही दिया ईरान पर हमला

अंततः इजरायल ईरान पर हमला करके ही माना। उसने आपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के परमाणु एवं सैन्य ठिकानों पर पूरी तैयारी के साथ इतना जोरदार हमला बोला कि वह तत्काल जवाब देने की स्थिति में नहीं रहा। इजरायल ने इस आधार पर ईरान को निशाने पर लिया कि वह उसके अस्तित्व को खुली चुनौती देता है और यदि उसने परमाणु हथियार हासिल कर लिए तो उसके लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। इस आशंका को निराधार नहीं कह सकते। ईरान कई बार कह चुका है कि वह दुनिया के नक्शे से इजरायल का नामोनिशान मिटा देगा। वह परमाणु हथियार बनाने की जिद भी कर रहा है, लेकिन उसकी समस्या यह है कि उसका खुलकर साथ देने वाला कोई नहीं। इस्लामी देश इजरायली हमले की निंदा भले कर रहे हों, पर यह कहना कठिन है कि वे और विशेष रूप से सुन्नी अरब राष्ट्र ईरान को निशाना बनाए जाने से दुखी हैं। वस्तुतः इजरायल और अमेरिका की तरह वे भी नहीं चाहते कि ईरान परमाणु हथियारों से लैस होकर इस्लामी जगत में अपना दबदबा बढ़ाए। कई इस्लामी देश इजरायल के लिए मुसीबत बने हिजबुल्ला, हमास के साथ–साथ यमन के हाउती लड़ाकों को ईरान के खुले समर्थन से प्रसन्न नहीं। सऊदी अरब तो पक्के तौर पर नहीं, क्योंकि यमन के एक बड़े हिस्से पर काबिज हाउती उसके लिए सिरदर्द बने हुए हैं। हाउती इजरायल के साथ–साथ समुद्री सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करते रहते हैं। ईरान पश्चिम एशिया में अन्य हथियारबंद इस्लामिक गुटों को भी समर्थन देता है। यही काम कतर भी करता है, पर वह अमेरिका का साथी है। ईरान में इजरायली हमले पर अमेरिका भले ही यह जता रहा हो कि वह इससे चिंतित है, पर सच यही है कि राष्ट्रपति ट्रंप वही चाह रहे थे, जो इजरायल ने किया। वह इसे छिपा भी नहीं रहे। विश्व को युद्ध से मुक्त करने की उनकी बातें दिखावा मात्र हैं। बड़ी–बड़ी बातें करने के बाद भी वह यूक्रेन–रूस युद्ध रोकने में नाकाम हैं। वह ईरान को गैर जिम्मेदार और आतंकी गुटों का साथी बताकर इजरायल का तो साथ दे रहे हैं, लेकिन हद दर्जे के गैर जिम्मेदार, चीन की मदद से परमाणु हथियार हासिल करने और आतंकी संगठनों को पालने–पोसने वाले पाकिस्तान को पुचकारने में लगे हुए हैं। साफ है कि भारत दोहरी नीति पर चल रहे ट्रंप पर भरोसा नहीं कर सकता। इजरायल–ईरान युद्ध ने विश्व शांति के साथ–साथ पश्चिम एशिया और भारत के लिए भी संकट बढ़ा दिया है। भारत के दोनों देशों से संबंध हैं। वह किसी एक के साथ नहीं जा सकता, लेकिन उसके लिए यह एक सबक भी है कि उसे भी आपरेशन सिंदूर के समय आतंकियों के साथ खड़ी पाकिस्तानी सेना की कमर तोड़ देनी चाहिए थी। फिलहाल उसकी पहली प्राथमिकता पश्चिम एशिया में अपने हित सुरक्षित करना होना चाहिए। सऊदी अरब तो पक्के तौर पर नहीं, क्योंकि यमन के एक बड़े हिस्से पर काबिज हाउती उसके लिए सिरदर्द बने हुए हैं। हाउती इजरायल के साथ–साथ समुद्री सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करते रहते हैं। ईरान पश्चिम एशिया में अन्य हथियारबंद इस्लामिक गुटों को भी समर्थन देता है। यही काम कतर भी करता है, पर वह अमेरिका का साथी है। ईरान में इजरायली हमले पर अमेरिका भले ही यह जता रहा हो कि वह इससे चिंतित है, पर सच यही है कि राष्ट्रपति ट्रंप वही चाह रहे थे, जो इजरायल ने किया। वह इसे छिपा भी नहीं रहे। विश्व को युद्ध से मुक्त करने की उनकी बातें दिखावा मात्र हैं। बड़ी–बड़ी बातें करने के बाद भी वह यूक्रेन–रूस युद्ध रोकने में नाकाम हैं। वह ईरान को गैर जिम्मेदार और आतंकी गुटों का साथी बताकर इजरायल का तो साथ दे रहे हैं, लेकिन हद दर्जे के गैर जिम्मेदार, चीन की मदद से परमाणु हथियार हासिल करने और आतंकी संगठनों को पालने–पोसने वाले पाकिस्तान को पुचकारने में लगे हुए हैं। साफ है कि भारत दोहरी नीति पर चल रहे ट्रंप पर भरोसा नहीं कर सकता। इजरायल–ईरान युद्ध ने विश्व शांति के साथ–साथ पश्चिम एशिया और भारत के लिए भी संकट बढ़ा दिया है। भारत के दोनों देशों से संबंध हैं। वह किसी एक के साथ नहीं जा सकता, लेकिन उसके लिए यह एक सबक भी है कि उसे भी आपरेशन सिंदूर के समय आतंकियों के साथ खड़ी पाकिस्तानी सेना की कमर तोड़ देनी चाहिए थी।

उच्चस्तरीय जांच समिति, तीन महीने में सौंपनी होगी रिपोर्ट

यह अपेक्षित ही नहीं आवश्यक था कि अहमदाबाद के भयावह विमान हादसे की सघन जांच के लिए कोई उच्चस्तरीय समिति गठित की जाती। गृह सचिव की अध्यक्षता में ऐसी जो समिति गठित की गई है, उसे तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देनी होगी और यह सुझाव भी कि भविष्य में इस तरह की दुर्घटना रोकने के क्या उपाय किए जाएं। भारत के साथ विश्व समुदाय को स्तब्ध करने वाली इस दुर्घटना की जांच अन्य एजेंसियां भी करेंगी। इस जांच में विमान निर्माता कंपनी के साथ अमेरिकी और यूरोपीय जांच एजेंसियों की भी भागीदारी होगी। यह भी समय की मांग थी, क्योंकि यह दुर्घटना बहुत ही चकित करने वाली है। बोइंग का 787 ड्रीमलाइनर विमान जिस तरह हादसे का शिकार हुआ, उसे देखते हुए इस कंपनी को भी दुर्घटना के कारणों की तह तक जाना ही होगा। इसलिए और भी, क्योंकि एक तो भारत में इस कंपनी के और भी विमान हैं और दूसरे, उस पर अपने विमानों के निर्माण में सुरक्षा उपायों की अनदेखी के गंभीर आरोप लग चुके हैं। सरकारी से निजी कंपनी टाटा के हाथों में गई एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की गहन जांच के साथ ही कुछ अन्य पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा और उनमें से एक यह भी है कि हमारे सभी प्रमुख हवाईअड्डे जिन जगहों पर स्थित हैं, वे चारों तरफ आबादी से घिरे हैं। इसके चलते किसी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति में आसपास की आबादी को भी क्षति पहुंचने की आशंका बढ़ जाती है। अहमदाबाद में ऐसा ही हुआ। यहां विमान के एक मेडिकल कालेज के हास्टल पर गिरने से वहां के मेडिकल छात्रों समेत कई लोग मारे गए। चारों ओर आबादी से घिरे हवाईअड्डों के आसपास विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर उस तक सहायता पहुंचाने में भी बाधा पहुंचती है। विमान यात्रा को केवल इसलिए सुरक्षित बनाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अहमदाबाद सरीखे हादसे विमानों से यात्रा के प्रति लोगों के मन में संदेह बढ़ाते हैं, बल्कि इसलिए भी है कि आज विमान यात्रा करना एक आवश्यकता बन गई है। देश में पिछले कुछ वर्षों में विमान यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसी के साथ ही हवाईअड्डों की भी संख्या बढ़ रही है। स्पष्ट है कि डीजीसीए एवं एयरपोर्ट अथारिटी जैसी एजेंसियों को और सजग होना होगा। विमान यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ उनकी सुविधाओं और सुरक्षा को लेकर रह–रहकर सवाल उठते रहते हैं। कम से कम सुरक्षा को तो सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बात केवल सुरक्षित विमान संचालन की ही नहीं, रेल और बस समेत आवागमन के अन्य साधनों को भी सुगम और सुरक्षित बनाने की आवश्यकता है। यह एक तथ्य है कि अपने देश में रेल और सड़क हादसों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। सरकारी से निजी कंपनी टाटा के हाथों में गई एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की गहन जांच के साथ ही कुछ अन्य पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा और उनमें से एक यह भी है कि हमारे सभी प्रमुख हवाईअड्डे जिन जगहों पर स्थित हैं, वे चारों तरफ आबादी से घिरे हैं। इसके चलते किसी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति में आसपास की आबादी को भी क्षति पहुंचने की आशंका बढ़ जाती है। अहमदाबाद में ऐसा ही हुआ। यहां विमान के एक मेडिकल कालेज के हास्टल पर गिरने से वहां के मेडिकल छात्रों समेत कई लोग मारे गए। चारों ओर आबादी से घिरे हवाईअड्डों के आसपास विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर उस तक सहायता पहुंचाने में भी बाधा पहुंचती है। विमान यात्रा को केवल इसलिए सुरक्षित बनाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अहमदाबाद सरीखे हादसे विमानों से यात्रा के प्रति लोगों के मन में संदेह बढ़ाते हैं, बल्कि इसलिए भी है कि आज विमान यात्रा करना एक आवश्यकता बन गई है।

आखिर अहमदाबाद में क्या गलत हुआ, सही जांच एवं साक्ष्यों से सामने आएगा सच

लगता है कि विमान को इंजन से पर्याप्त पावर नहीं मिल पाई, जिससे वह पूरी उड़ान नहीं भर पाया या उड़ान जारी नहीं रख सका। यही पहलू बहुराष्ट्रीय जांचकर्ताओं के लिए मूल मुद्दा होना चाहिए, क्योंकि इंजन मेंटेनेंस, डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम से लेकर 600 फीट पर एकाएक पावर सप्लाई खत्म होने की जांच की जाएगी। हादसे की पड़ताल के साथ ही जवाबदेही सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है। अब एअर इंडिया का स्वामित्व सरकारी नहीं, बल्कि टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के पास है। यह प्रबंधन को और जवाबदेह बनाए जाने का एकदम सही समय है। इसमें किसी जुगाड़ वाली कामचलाऊ व्यवस्था के बजाय स्थायी उपायों पर ध्यान दिया जाए। जांच में चाहे जो निष्कर्ष निकलें, उन पर तत्काल अमल करना होगा। इन निष्कर्षों पर विश्व को भी ध्यान देना होगा। यदि रखरखाव से जुड़ी कमियां या लचर मेंटेनेंस ढांचे की गलती सामने आती है तो उसे तत्काल सुधारा जाए। इन कमियों ने कंपनी को अर्से से जकड़ा हुआ है। अगर विमानों का बेड़ा पुराना पड़ रहा है तो उसे बदला जाए।

मार्क डी. मार्टिन

अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआइ 171 टेक आफ होने के चंद सेकंडों में ही धराशायी हो गई। विमान में यात्रियों और चालक दल को मिलाकर कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें से केवल एक ही यात्री बच सका। विमान के रिहायशी इलाके में गिरने के कारण कई और लोग उसकी चपेट में आ गए। हाल के समय में यह सबसे खतरनाक विमान हादसा है। चूंकि मरने वालों में भारत के अलावा, ब्रिटिश, पुर्तगाली और कनाडाई नागरिक भी शामिल हैं, इसलिए जांच–पड़ताल का दायरा व्यापक होने वाला है। यूनाइटेड किंगडम सिविल एविएशन अथारिटी, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यूरोपियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी, ट्रांसपोर्ट कनाडा और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड यानी एनटीएसबी जैसी एजेंसियां इस हादसे की जांच में सक्रिय दिखेंगी। विमान निर्माता बोइंग, डीजीसीए और एविएशन इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की भी इसमें भूमिका रहेगी। चूंकि यह बोइंग के विमान 787–8 ड्रीमलाइनर शृंखला का पहला ऐसा विमान है, जो हवा में हादसे का शिकार हुआ, इसलिए उसकी जांच के निष्कर्ष पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। सरकारी स्वामित्व से अब टाटा समूह के नियंत्रण में आने के बाद एअर इंडिया के किसी विमान के साथ पहली बार ऐसा हादसा हुआ है। लगातार घाटा उठाने, सेवा, गुणवत्ता एवं मानकों के साथ समझौते और कर्मचारी संघों के खराब रवैये के चलते लोग सरकार से निरंतर सवाल करते आ रहे थे कि वह इसे क्यों ढो रही है। इस सबके बावजूद तथ्य यह है कि सरकारी स्वामित्व के दौरान एअर इंडिया किसी हादसे का शिकार नहीं हुई, सिवाय तबके, जब जून 1985 में उसका विमान–कनिष्क वैश्विक आतंकवाद का शिकार बना था। कनाडा से भारत आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट 182 को खालिस्तानी आतंकियों ने बम विस्फोट करके आसमान में ही उड़ा दिया गया था। विमान में विस्फोट के कारण उसमें सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। विमान का मलबा आयरलैंड के समीप अटलांटिक महासागर में गिरा था। उम्मीद यह थी कि निजी स्वामित्व में एअर इंडिया का प्रदर्शन और सुधरेगा, लेकिन हकीकत यह है कि निजी कंपनी बनने के बाद सुरक्षा मानकों के उल्लंघन में एअर इंडिया सबसे ऊपर रही है और उसे डीजीसीए द्वारा लगाया गया वित्तीय हर्जाना भरना पड़ा। यह स्थिति प्रशिक्षण की गुणवत्ता में कमी, चालक दल की दक्षता में अभाव, रखरखाव से जुड़ी लापरवाहियों और लचर गुणवत्ता नियंत्रण के कारण निर्मित हुई। एअर इंडिया के बेड़े में 95 प्रतिशत विमान औसतन 18 से 20 साल पुराने हैं तो देर–सबेर विश्वसनीयता और गुणवत्ता के मोर्चे पर गिरावट के संकेत मिलने ही थे। अहमदाबाद में हमें यही देखने को मिला। सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस विमान हादसे की गंभीरता को कम किया जा सकता था?

लगता है कि विमान को इंजन से पर्याप्त पावर नहीं मिल पाई, जिससे वह पूरी उड़ान नहीं भर पाया या उड़ान जारी नहीं रख सका। यही पहलू बहुराष्ट्रीय जांचकर्ताओं के लिए मूल मुद्दा होना चाहिए, क्योंकि इंजन मेंटेनेंस, डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम से लेकर 600 फीट पर एकाएक पावर सप्लाई खत्म होने की जांच की जाएगी। हादसे की पड़ताल के साथ ही जवाबदेही सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है। अब एअर इंडिया का स्वामित्व सरकारी नहीं, बल्कि टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के पास है। यह प्रबंधन को और जवाबदेह बनाए जाने का एकदम सही समय है। इसमें किसी जुगाड़ वाली कामचलाऊ व्यवस्था के बजाय स्थायी उपायों पर ध्यान दिया जाए। जांच में चाहे जो निष्कर्ष निकलें, उन पर तत्काल अमल करना होगा। इन निष्कर्षों पर विश्व को भी ध्यान देना होगा। यदि रखरखाव से जुड़ी कमियां या लचर मेंटेनेंस ढांचे की गलती सामने आती है तो उसे तत्काल सुधारा जाए। इन कमियों ने कंपनी को अर्से से जकड़ा हुआ है। अगर विमानों का बेड़ा पुराना पड़ रहा है तो उसे बदला जाए। कंपनी नए विमानों की आवक से पहले अपना समूचा तंत्र सुधारे। हमें कई चीजें ठीक करनी होंगी। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता और बेंगलुरु समेत तमाम अन्य एयरपोर्ट की लोकेशन चिंता का विषय है। आपात स्थिति में जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। हर भारतीय हवाई अड्डा आधुनिक शहरीकरण से घिरा हुआ है। उनके आसपास आवासीय अपार्टमेंट, कार्यालय, कालेज, अस्पताल और माल आदि हैं। इसके चलते हवाई अड्डों के आसपास खाली जगह नहीं बची। इमरजेंसी लैंडिग की स्थिति में खाली पड़ी जमीन के चलते विमान तक सहायता पहुंचाने में आसानी होती है।

यदि नीची उड़ान में इंजन फेल हो जाए तो पायलट विमान संभाल सकता है और दुर्घटना से बच सकता है। अभी तो ऐसा होने की शून्य संभावना है। देश को अपने सभी हवाई अड्डों की लोकेशन पर पुनर्विचार करना चाहिए। हवाई अड्डों को घनी शहरी बस्तियों से दूर स्थानांतरित करने की योजना बनानी चाहिए। यह एक लंबी, धीमी और कष्टकारी प्रक्रिया होगी, लेकिन इसे करना आवश्यक है। दस नियामकीय संस्थाएं, बोइंग कंपनी और करीब पांच देशों की सरकारों की अहमदाबाद हवाई हादसे पर निगाह होगी। यह हवाई हादसा अहमदाबाद यानी गुजरात के दिल में हुआ है। यह पीएम मोदी का गृह प्रदेश है। मुझे लगता है कि हमें निष्पक्ष, तटस्थ एवं स्वतंत्र जांच और कोर्ट आफ इन्क्वायरी देखने को मिलेगी। दुनिया जानना चाहती है कि अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर विमान के साथ क्या गलत हुआ? सही जांच और साक्ष्य ही यह इंगित करने के मुख्य आधार होंगे कि क्या गलत हुआ? जो लोग इस हादसे के लिए जिम्मेदार हों, उन्हें जवाबदेह ठहराने के साथ कानूनी तौर पर कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए, ताकि हम फिर कभी ऐसी तबाही न देखें। विश्व, भारत, एअर इंडिया, हवाई अड्डों और सुरक्षा नियामकों के पास बहुत काम है। उम्मीद है कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी सख्त कदम उठाएंगे और दुनिया के लिए उदाहरण बन सकने वाले मानक स्थापित करेंगे। लगता है कि विमान को इंजन से पर्याप्त पावर नहीं मिल पाई, जिससे वह पूरी उड़ान नहीं भर पाया या उड़ान जारी नहीं रख सका। यही पहलू बहुराष्ट्रीय जांचकर्ताओं के लिए मूल मुद्दा होना चाहिए, क्योंकि इंजन मेंटेनेंस, डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम से लेकर 600 फीट पर एकाएक पावर सप्लाई खत्म होने की जांच की जाएगी। हादसे की पड़ताल के साथ ही जवाबदेही सुनिश्चित किया जाना भी आवश्यक है।

अब एअर इंडिया का स्वामित्व सरकारी नहीं, बल्कि टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के पास है। यह प्रबंधन को और जवाबदेह बनाए जाने का एकदम सही समय है। इसमें किसी जुगाड़ वाली कामचलाऊ व्यवस्था के बजाय स्थायी उपायों पर ध्यान दिया जाए। जांच में चाहे जो निष्कर्ष निकलें, उन पर तत्काल अमल करना होगा। इन निष्कर्षों पर विश्व को भी ध्यान देना होगा। यदि रखरखाव से जुड़ी कमियां या लचर मेंटेनेंस ढांचे की गलती सामने आती है तो उसे तत्काल सुधारा जाए। इन कमियों ने कंपनी को अर्से से जकड़ा हुआ है। अगर विमानों का बेड़ा पुराना पड़ रहा है तो उसे बदला जाए। कंपनी नए विमानों की आवक से पहले अपना समूचा तंत्र सुधारे। हमें कई चीजें ठीक करनी होंगी। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता और बेंगलुरु समेत तमाम अन्य एयरपोर्ट की लोकेशन चिंता का विषय है।

आपात स्थिति में जोखिम कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। हर भारतीय हवाई अड्डा आधुनिक शहरीकरण से घिरा हुआ है। उनके आसपास आवासीय अपार्टमेंट, कार्यालय, कालेज, अस्पताल और माल आदि हैं। इसके चलते हवाई अड्डों के आसपास खाली जगह नहीं बची। इमरजेंसी लैंडिग की स्थिति में खाली पड़ी जमीन के चलते विमान तक सहायता पहुंचाने में आसानी होती है।

यदि नीची उड़ान में इंजन फेल हो जाए तो पायलट विमान संभाल सकता है और दुर्घटना से बच सकता है। अभी तो ऐसा होने की शून्य संभावना है। देश को अपने सभी हवाई अड्डों की लोकेशन पर पुनर्विचार करना चाहिए। हवाई अड्डों को घनी शहरी बस्तियों से दूर स्थानांतरित करने की योजना बनानी चाहिए। यह एक लंबी, धीमी और कष्टकारी प्रक्रिया होगी, लेकिन इसे करना आवश्यक है। दस नियामकीय संस्थाएं, बोइंग कंपनी और करीब पांच देशों की सरकारों की अहमदाबाद हवाई हादसे पर निगाह होगी। यह हवाई हादसा अहमदाबाद यानी गुजरात के दिल में हुआ है। यह पीएम मोदी का गृह प्रदेश है। मुझे लगता है कि हमें निष्पक्ष, तटस्थ एवं स्वतंत्र जांच और कोर्ट आफ इन्क्वायरी देखने को मिलेगी।

भाषिक अंतर्विरोध से ग्रस्त भारत, राजनीति, विवाद और क्षेत्रीयता की कहानी

हिंदी विरोध के बहाने तमिल अस्मिता को बचाए रखने की बात आम वोटर के भीतर इतनी पैठ गई है कि अब अगर ये दल हिंदी विरोध समाप्त कर लें तो अपने वोट नहीं बचा सकते। तब गद्दी किसी अखिल भारतीय दल के हाथों में जा सकती है। भारत में सूचना क्रांति के पदार्पण के बाद कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु इलेक्ट्रानिक सिटी के रूप में उभरा है। यहां देश–विदेश से ऐसे लोग भी हैं, जिनके लिए एक से अधिक भाषाओं में बातचीत या संप्रेषण की कुशलता प्राप्त करना व्यावसायिक अनिवार्यता भी है। उनके लिए एक ऐसी संपर्क भाषा जरूरी हो जाती है, जो अधिकतर के समझ में आए। इसलिए अंग्रेजी के साथ हिंदी जरूरी हो जाती है। यह रोजगार और व्यवसाय की मांग के कारण हो रहा है।

सुरेश पंत

पिछले कुछ वर्षों से अपने देश में यह चलन बन गया है कि कोई भी नेता भाषा के बारे में कोई ऐसा बयान उछाल देता है, जिससे हलचल हो जाती है। कुछ दिन मीडिया मंचों से शोरगुल होने के बाद बात थोड़ी सी शांत होती है तो किसी और कोने से कोई और इसे उछाल देता है। तो फिर वही हाय–हाय, वही शोरगुल। सबसे प्रखर हिंदी विरोध के स्वर तमिलनाडु से उभरते हैं और इसकी अनुगूंज कभी 'नम्मा कर्नाटका' से, कभी 'आमची मुंबई' से तो कभी कहीं और से आती रहती है। विरोध के स्वर कहीं उग्र, कहीं तेज तो कहीं उपद्रवी भी होते हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में स्टेट बैंक की एक शाखा की हिंदी बोलने वाली अधिकारी और कन्नड़ बोलने वाले ग्राहक के बीच भाषा को लेकर विवाद हो गया। यह मामला शांत होता कि अभिनेता कमल हासन ने तमिल–कन्नड़ विवाद खड़ा कर दिया। इस पर उन्हें हाई कोर्ट से फटकार पड़ी। आमची मुंबई में भी दल विशेष के कार्यकर्ता दुकान पर जाकर धमकाते हैं कि महाराष्ट्र में रहना है तो हिंदी नहीं, मराठी बोलो। इसके पीछे मुख्य रूप से होती है ऐसी राजनीति, जो भाषा को परस्पर समानता अथवा एकता का नहीं, वरन आपसी लड़ाई का औजार बनाती है। तमिलनाडु का हिंदी विरोध सबसे पुराना है, लेकिन यह भी साफ है कि उसने कभी त्रिभाषा सूत्र स्वीकार नहीं किया और बिना लाग–लपेट कहता रहा कि उसे हिंदी स्वीकार्य नहीं। इसके पीछे निहित अनेक कारणों में से एक है तमिल स्वाभिमान की अभिव्यक्ति और दूसरा हिंदी विरोध न करने पर राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ने का भय, क्योंकि 1967 से हिंदी विरोध के कारण ही वहां क्षेत्रीय दल सत्ता पर बने हैं, वह चाहे डीएमके हो या एआइएडीएमके। हिंदी विरोध के बहाने तमिल अस्मिता को बचाए रखने की बात आम वोटर के भीतर इतनी पैठ गई है कि अब अगर ये दल हिंदी विरोध समाप्त कर लें तो अपने वोट नहीं बचा सकते। तब गद्दी किसी अखिल भारतीय दल के हाथों में जा सकती है। भारत में सूचना क्रांति के पदार्पण के बाद कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु इलेक्ट्रानिक सिटी के रूप में उभरा है। यहां देश–विदेश से ऐसे लोग भी हैं, जिनके लिए एक से अधिक भाषाओं में बातचीत या संप्रेषण की कुशलता प्राप्त करना व्यावसायिक अनिवार्यता भी है। उनके लिए एक ऐसी संपर्क भाषा जरूरी हो जाती है, जो अधिकतर के समझ में आए। इसलिए अंग्रेजी के साथ हिंदी जरूरी हो जाती है। यह रोजगार और व्यवसाय की मांग के कारण हो रहा है। किसी राजनीतिक दबाव के कारण नहीं। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार हिंदी ही नहीं तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी भी सीखते हैं। देश की भाषाओं को लेकर सरकार की नीति भी स्पष्ट कभी नहीं दिखाई पड़ी। आधी सदी से अधिक हुआ, हम त्रिभाषा सूत्र के पीछे पड़े हुए हैं। यह जानते हुए भी कि इसके परिणाम कभी अनुकूल नहीं रहे। वस्तुतरू ईमानदारी से त्रिभाषा सूत्र कभी लागू ही नहीं किया गया, इसलिए सफल नहीं हुआ। इससे हमने सबक नहीं सीखे। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत फिर से तीन भाषाओं को सीखने–सिखाने की संस्तुति की गई है। अर्थात फिर वही ढाक के तीन पात। पहले यह विवेचन किया जाता कि तीन भाषाएं पढ़ने के नाम पर जो कुछ किया गया है, उसके परिणाम क्या रहे हैं। अचानक त्रिभाषा सूत्र की याद दिला देने से शंकालु राज्य अधिक शंकालु हो जाते हैं और ऐसे नारे उभरने लगते हैं–हिंदी थोपी जा रही है, हिंदी का साम्राज्यवाद नहीं चलेगा इत्यादि–इत्यादि। देश में लगभग 424 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 22 भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची से विशेष मान्यता प्राप्त है। इस अनुसूची में स्थान पाने के लिए 30 से अधिक भाषाएं कतार में लगी हैं। इसमें भी राजनीति है। अनुसूची में आने का अर्थ है उस भाषा के लिए बजट अधिक हो जाना। अकादमियों, समितियों के अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक नियुक्तियां और भी ऐसे ही प्रलोभन। चुनाव आने पर इसे ही भुनाया जाता है। इसी प्रकार शास्त्रीय भाषाओं के रूप में भी पहले चार भाषाएं स्वीकृत थीं। अब उनकी संख्या 11 पहुंच चुकी है। वहां भी ऐसे ही आकर्षण हैं। इसलिए अनेक भाषाएं शास्त्रीय भाषाएं बनने को आतुर हैं। शास्त्रीय भाषा कौन हो, इसकी पहचान के लिए भी नियमों में कम से कम तीन बार परिवर्तन किया जा चुका है और आश्चर्य नहीं कि आगे कोई भाषा शामिल करनी हो तो फिर परिवर्तन करें। यह बात अनेक प्रकार से, अनेक मंचों से कही जाती रही है कि वेशभूषा, भाषा, रहन–सहन में बहुलता ही भारत की पहचान है।

इसलिए हमें एक–दूसरे के प्रति सहिष्णु होना चाहिए। जब इसके अनुपालन की बात आती है तो हम प्रायः पिछड़ जाते हैं या भ्रम और अहंकार से ग्रस्त हो जाते हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम हिंदी वाले समझते हैं हिंदी भाषी संख्या में अधिक हैं और संख्या बल के कारण हिंदी सबको स्वीकार्य होनी चाहिए, लेकिन लोकतंत्र में, विशेष कर भाषा के मामले में, आंकड़े ही नहीं, स्वीकार्यता और सहमति भी महत्वपूर्ण होती है। हम यह मानने को तैयार नहीं कि हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं और संविधान की दृष्टि में यह अंग्रेजी के साथ–साथ सह–राजभाषा है। यह हिंदी प्रेम हमारी अक्खड़ता को प्रदर्शित करता है। हिंदी विरोध के बहाने तमिल अस्मिता को बचाए रखने की बात आम वोटर के भीतर इतनी पैठ गई है कि अब अगर ये दल हिंदी विरोध समाप्त कर लें तो अपने वोट नहीं बचा सकते। तब गद्दी किसी अखिल भारतीय दल के हाथों में जा सकती है। भारत में सूचना क्रांति के पदार्पण के बाद कर्नाटक, विशेषकर बेंगलुरु इलेक्ट्रानिक सिटी के रूप में उभरा है। यहां देश–विदेश से ऐसे लोग भी हैं, जिनके लिए एक से अधिक भाषाओं में बातचीत या संप्रेषण की कुशलता प्राप्त करना व्यावसायिक अनिवार्यता भी है। उनके लिए एक ऐसी संपर्क भाषा जरूरी हो जाती है, जो अधिकतर के समझ में आए।

इसलिए अंग्रेजी के साथ हिंदी जरूरी हो जाती है। यह रोजगार और व्यवसाय की मांग के कारण हो रहा है। किसी राजनीतिक दबाव के कारण नहीं। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार हिंदी ही नहीं तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी भी सीखते हैं। देश की भाषाओं को लेकर सरकार की नीति भी स्पष्ट कभी नहीं दिखाई पड़ी। आधी सदी से अधिक हुआ, हम त्रिभाषा सूत्र के पीछे पड़े हुए हैं। यह जानते हुए भी कि इसके परिणाम कभी अनुकूल नहीं रहे। वस्तुतरू ईमानदारी से त्रिभाषा सूत्र कभी लागू ही नहीं किया गया, इसलिए सफल नहीं हुआ। इससे हमने सबक नहीं सीखे।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात

यह सहज स्वाभाविक था कि पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में पाकिस्तान के विरुद्ध भारतीय सेना की अकल्पनीय कार्रवाई पर विश्व के चुनिंदा देशों में भारत का पक्ष रखने गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से प्रधानमंत्री मोदी मुलाकात करते। अतीत में भी विशेष अवसरों पर ऐसे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कई देशों में गए हैं, लेकिन कहीं कोई विवाद नहीं हुआ। दुर्भाग्य से इस बार ऐसा हुआ और सत्तापक्ष–विपक्ष में उस समय भी आरोप–प्रत्यारोप का दौर चलता रहा, जब प्रतिनिधिमंडल विदेश में थे। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने तो प्रतिनिधिमंडल में शामिल अपने दल के सांसदों के खिलाफ ही अभियान छेड़ दिया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि तृणमूल कांग्रेस ने किस तरह अपने एक सांसद को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से रोक दिया और विदेश गए एक भाजपा सांसद घरेलू राजनीति पर निगाह रखे रहे और राजनीतिक विरोधियों को जवाब देने में लगे रहे। कम से कम अब तो पक्ष–विपक्ष की ओर से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में विदेश नीति पर दलगत राजनीति न हो और तब तो बिल्कुल भी नहीं, जब विश्व समुदाय को यह संदेश देना आवश्यक हो कि भारत के राजनीतिक दल राष्ट्रहित के मामले में दलगत हित से परे हटकर एक सुर में अपनी बात कहते हैं। अपने यहां तो यह मान्यता रही है कि विदेश नीति सत्ताधारी दल की नहीं, देश की होती है। विदेश नीति से जुड़े किसी मसले पर विभिन्न दलों के बीच असहमति हो सकती है, लेकिन उसका प्रकटीकरण इस तरह नहीं होना चाहिए कि भारत विरोधी ताकतें उसका लाभ उठाने में सफल रहें। हाल के समय में ऐसा हुआ है। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले और डोकलाम विवाद के समय हमारे कुछ नेताओं के बयान ऐसे रहे, जिन्हें कभी पाकिस्तान या चीन ने अपने पक्ष में भुनाया। सच तो यह है कि रक्षा, सुरक्षा और विदेश नीति के साथ राष्ट्रीय हित के अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच इस पर आम सहमति कायम होनी चाहिए कि उन पर राजनीतिक वर्ग की साझा नीति क्या हो। यदि न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन और जीएसटी लागू करने संबंधी मामलों को छोड़ दिया जाए तो अन्य किसी विषय पर पक्ष–विपक्ष के बीच आम सहमति मुश्किल से ही देखने को मिली है। इन दिनों भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की पहल आगे बढ़ाई जा रही है। फिलहाल तो आसार इसी के हैं कि इस प्रस्ताव पर पक्ष–विपक्ष की राय एक जैसी होगी, लेकिन यह ध्यान रहे कि अतीत में ऐसे प्रस्ताव कभी सफल नहीं हो सके, क्योंकि कभी क्षेत्रवाद की राजनीति आड़े आ गई और कभी जाति की राजनीति। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि तृणमूल कांग्रेस ने किस तरह अपने एक सांसद को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से रोक दिया और विदेश गए एक भाजपा सांसद घरेलू राजनीति पर निगाह रखे रहे और राजनीतिक विरोधियों को जवाब देने में लगे रहे। कम से कम अब तो पक्ष–विपक्ष की ओर से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में विदेश नीति पर दलगत राजनीति न हो और तब तो बिल्कुल भी नहीं, जब विश्व समुदाय को यह संदेश देना आवश्यक हो कि भारत के राजनीतिक दल राष्ट्रहित के मामले में दलगत हित से परे हटकर एक सुर में अपनी बात कहते हैं। अपने यहां तो यह मान्यता रही है कि विदेश नीति सत्ताधारी दल की नहीं, देश की होती है। विदेश नीति से जुड़े किसी मसले पर विभिन्न दलों के बीच असहमति हो सकती है, लेकिन उसका प्रकटीकरण इस तरह नहीं होना चाहिए कि भारत विरोधी ताकतें उसका लाभ उठाने में सफल रहें। हाल के समय में ऐसा हुआ है। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले और डोकलाम विवाद के समय हमारे कुछ नेताओं के बयान ऐसे रहे, जिन्हें कभी पाकिस्तान या चीन ने अपने पक्ष में भुनाया। सच तो यह है कि रक्षा, सुरक्षा और विदेश नीति के साथ राष्ट्रीय हित के अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच इस पर आम सहमति कायम होनी चाहिए कि उन पर राजनीतिक वर्ग की साझा नीति क्या हो। यदि न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन और जीएसटी लागू करने संबंधी मामलों को छोड़ दिया जाए तो अन्य किसी विषय पर पक्ष–विपक्ष के बीच आम सहमति मुश्किल से ही देखने को मिली है।

खेत जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसकर किशोर की मौत

लाश देख चीख उठे घरवाले, गांव के लोग परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे

बाराबंकी (संवाददाता)। बाराबंकी में खेत जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसकर किशोर की मौत हो गई। उसकी चीख निकली और अगले ही पल दम तोड़ दिया। बेटे की लाश देख घरवाले चीख उठे।यूपी के बाराबंकी में खेत जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसकर किशोर की मौत हो गई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। खबर फैली तो गांव के लोग जमा हो गए। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे।

घटना जैदपुर थाना क्षेत्र के मुरलीगंज गांव की है। गांव निवासी अशोक कुमार किराए के ट्रैक्टर से खेत की जुताई करा रहे थे। इस दौरान उनका पुत्र आशीष कुमार (13) रोटावेटर पर बैठा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। इससे वह रोटावेटर के अंदर की तरफ गिर गया और धारदार पत्तियों में फंस गया। इससे उसकी चीख निकल गई। जब तक चालक गाड़ी रोकता तब तक उसकी मौत हो गई। चालक ने गाड़ी रोककर शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास खेत में काम कर रहे ग्रामीण भागकर पहुंचे। कुछ ही देर में परिजन रोते बिलखते पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया गया कि वह दो भाइयों में छोटा था। घटना से माता–पिता व भाई सदमे में हैं। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है। उसकी चीख निकली और अगले ही पल दम तोड़ दिया। बेटे की लाश देख घरवाले चीख उठे।यूपी के बाराबंकी में खेत जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसकर किशोर की मौत हो गई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। खबर फैली तो गांव के लोग जमा हो गए। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। घटना जैदपुर थाना क्षेत्र के मुरलीगंज गांव की है। गांव निवासी अशोक कुमार किराए के ट्रैक्टर से खेत की जुताई करा रहे थे।

इस दौरान उनका पुत्र आशीष कुमार (13) रोटावेटर पर बैठा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। इससे वह रोटावेटर के अंदर की तरफ गिर गया और धारदार पत्तियों में फंस गया। इससे उसकी चीख निकल गई।

योग मैराथन में अंशुमान और साधना अव्वल

अयोध्या (संवाददाता)। आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर योग मैराथन का आयोजन किया गया। यह मैराथन विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी क्रीड़ा परिषद से शुरू होकर डीएवी स्कूल के पास समाप्त हुआ। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने योग मैराथन को हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया। इस दौड़ में लगभग 150 धावक शामिल हुए। इस मौके पर कुलपति ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्र–छात्राओं के साथ योगाभ्यास भी किया। योग मैराथन के पुरुष वर्ग में अंशुमान ने प्रथम स्थान हासिल किया। विकास वर्मा दूसरे और सुरेंद्र तीसरे स्थान पर रहे। योग मैराथन के महिला वर्ग में साधना बघेल पहले स्थान पर रहीं तो जया कुमारी दूसरे और नंदनी कुमारी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

अवध विवि के पीजी पाठ्यक्रमों में सीयूईटी से प्रवेश शुरू

अयोध्या (संवाददाता)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में सत्र 2025–26 से विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों में सीयूईटी से सीधे प्रवेश शुरू हो गया है। इस संबंध में एनटीए की ओर से प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। सीयूईटी परीक्षा में बैठे विद्यार्थी अवध विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। आवासीय प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि सीयूईटी से 40 फीसदी छात्र–छात्राओं का प्रवेश विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में दिया जाएगा। इसके अलावा 60 फीसदी सीटों पर विश्वविद्यालय खुद मेरिट के आधार पर प्रवेश देगा। सीयूईटी के छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर 100 रुपये शुल्क के साथ पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण करना होगा। इस आधार पर छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश ले सकेंगे। पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए rmlaucuet-samarth-edu-in/pg/indeÛ-php पर जाकर पंजीयन करना होगा। पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा। सीयूईटी के अलावा अन्य छात्रों को पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर जाकर आवेदन करना होगा।

विकास की नई ऊंचाइयों को छु रहा देश : लल्लू सिंह

अयोध्या (संवाददाता)। केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। यह 11 साल देश के स्वर्णिम युग की नींव हैं। भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने होगा। पूर्व सांसद मिल्कीपुर के सुमेरपुर, अमानीगंज, चिरौली, बीकापुर और सिविल लाइंस स्थित अटल सभागार में आयोजित संकल्प सभाओं में बोल रहे थे। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गांव, गरीब, किसान, युवा, महिलाओं और सैनिकों के सशक्तीकरण का अभूतपूर्व काम किया है। यह समय आत्ममंथन और आत्मविश्वास का है।

आंधी-बारिश ले उड़ी ८०० गांवों की बिजली, तारों पर गिरे पेड़

सीतापुर (संवाददाता) सीतापुर। जिले में भोर आंधी के बाद तेज बारिश से करीब 800 गांवों की बिजली गुल हो गई। इस दौरान तारों पर पेड़ गिर गए और कई जगह तो तेज हवा में तार भी टूट गए। अचानक बदले मौसम से उपकेंद्रों में तकनीकी खामी आ गई। कहीं 10 घंटे तो कही 15 घंटे बाद भी आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई। भीषण गर्मी में लोग बेहाल रहे। वहीं महकमा नुकसान का आंकलन करके लाइन बहाल करने में देर रात तक जुटा रहा।लहरपुर उपकेंद्र से जुड़े गांवों में तेज हवाओं के साथ बादलों की गड़गड़ाहट से नगर क्षेत्र की आपूर्ति बंद हो गई। इसे तीन घंटे बाद ठीक किया जा सका। रामकोट में अर्थाना फीडर के जवाहरपुर, गौरा, लिल्सी, टेड़वा एवं मुसहा सहित करीब 100 गांवों को बिजली आपूर्ति बंद रही। शाम चार बजे तक बहाल नहीं हो पाई। बेहटा फीडर से जुड़े 100 से अधिक गांवों में सुबह छह बजे गुल हुई बिजली दो बजे बहाल हो पाई। महोली उपखंड से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के छह फीडरों की बिजली दो बजे गुल हो गई। रविवार सुबह 10 बजे बहाल हुई। वही नगर व तहसील फीडर में सुबह पांच बजे आपूर्ति बाधित हुई। दोपहर एक बजे शुरू हो गई। वहीं आंधी में सीएचसी में तार टूट गए। गांवों में कई जगहों पर तार पर पेड़ टूटने की घटनाएं हुई।एसडीओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि आठ गांव में बिजली अभी भी बाधित है। जिस पर कार्य चल रहा है। हरगांव में करीब 50 गांवों में चार घंटे बिजली बाधित रही। देवगवां उपकेंद्र को जाने वाली 33 केवी लाइन खराब होने से करीब 14 घंटे से बिजलीं गुल रही।

बारिश में खुशनुमा हुआ मौसम, गिरा पारा

सीतापुर (संवाददाता)। गर्मी से परेशान लोगों के लिए रविवार को आसमान से बरसीं बूंदें राहत लेकर आईं। करीब 20 मिनट तक हल्की बारिश हुई। इस दौरान पारे में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि बारिश के बाद बढ़ी उमस ने थोड़ा परेशान किया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार रविवार को अधिकतम पारा 38 डिग्री व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।रविवार भोर 4रू30र बजे तेज हवा चलने लगी। इसी बीच अचानक बारिश होने लगी। कुछ इलाकों में बौछारें पड़ी तो कहीं रिमझिम बारिश हुई। करीब 15 से मिनट तक हुई बारिश से थोड़ा सुकून मिला। इसका असर यह रहा कि शनिवार की तुलना में अधिकतम पारे में दो डिग्री व न्यूनतम पारे में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। गर्मी से परेशान लोगों को बारिश ने राहत दी। हालांकि दोपहर में तेज धूप की वजह से उमस बढ़ गई। चंद मिनटों में ही लोगों के पसीने छूटने लगे।

सीतापुर में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक, चार की मौत

थानाध्यक्ष के मुताबिक ट्रक में चावल की पॉलिश लदी हुई थी यह सीतापुर से बहराइच जा रहा था

सीतापुर (संवाददाता)। सीतापुर जिले में बीती देर रात एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। सीतापुर जिल के रेउसा इलाके में बीती देर रात मारूबेहड़ पुल के पास एक ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक के नीचे चार लोग दब गए। आनन–फानन में इनको निकाल कर सीएचसी भेजा गया है।

जहां डॉक्टर ने चारों को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष हनुमंत लाल तिवारी के मुताबिक एक ट्रक जिसमें चावल की पॉलिश लदी हुई थी। यह सीतापुर से बहराइच जा रहा था। वह पुल के पास पलट गया है। उसके नीचे चार लोग दब गए हैं। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि यह लोग सड़क के किनारे अपनी बाइक के पास खड़े हुए थे। ये चारों लोग मारूबेहड़ में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। वह आपस में बात कर रहे थे इसी बीच ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया है। आसपास के लोगों ने इनको सीएससी पहुंचाया। सीएमओ डॉक्टर सुरेश सिंह ने बताया चारों लोगों की मौत हो चुकी है। घटना की जानकारी पाकर रेउसा थानगांव व बिसवा की पुलिस पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही है।मृतकों के नाम मुन्ना 16 साल, चहलारी रेउसा सुफियान 15 साल, भगवानपुर बहराइच अलफाज 15 साल, थाना हल्दी बहराइच अल्ताफ 14 साल, बहराइच बहराइच की ओर जा रहा भूसी भरा ट्रक रविवार देर रात मारूबेहड़ के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके नीचे दबकर चार लोगों की मौत हो गई।

घटना के बाद ट्रक चालक भाग गया। मृतकों में दो लोग बहराइच जिले के रहने वाले हैं। बहराइच के हरदी के भगवान पुर निवासी 15 वर्षीय सुफियान पुत्र राजू और मिश्रन पुरवा के 15 वर्षीय अल्ताफ पुत्र इकबाल रविवार को मारूबेहड़ के सलीम की लड़की की शादी में शामिल होने आए थे। इसके बाद वह दोनों घर लौट रहे थे। रात करीब साढ़े नौ बजे वह मारू बेहड़ गांव के पास थानगांव के चहलारी के 16 वर्षीय मुन्ना पुत्र साबिर और रेउसा के शिवपुरी के 15 वर्षीय अल्फाज पुत्र अफजल से सड़क किनारे खड़े होकर बातें कर रहे थे। इसी बीच सीतापुर की तरफ से आया ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। चारों किशोर उसके नीचे दब गए। गुजर रहे लोगों के शोर मचाने पर गांव वाले पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इस पर उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार, सीओ सतीश शुक्ल, रेउसा थानाध्यक्ष हनुमंत तिवारी सहित सदरपुर, सकरन व बिसवां की पुलिस पहुंची।

कॉम्प्लेक्स को दिया जाए अमर शहीद का नाम

अयोध्या (संवाददाता)। अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीद मौलवी अहमद उल्ला शाह का शहादत दिवस मनाया। सिविल लाइंस स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित गोष्ठी में चौक सब्जी मंडी में प्रस्तावित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स व पार्किंग स्थल का नामकरण मौलवी अहमद उल्ला शाह के नाम पर किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। वयोवृद्ध समाजसेवी मिर्जा सादिक हुसैन की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में संस्थान के प्रबंधक निदेशक सूर्यकांत पांडेय ने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मौलवी अहमद उल्ला शाह का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। मौलवी को लेकर अंग्रेजों में दहशत थी।

मौसम के मिजाज में बदलाव का आगाज

अयोध्या (संवाददाता)। मौसम के मिजाज में बदलाव का आगाज हो गया है। मिल्कीपुर और बीकापुर क्षेत्र के आसपास बारिश हुई। शहरी क्षेत्र में भोर में गरज–चमक के बाद सुबह तक बादल छाए रहे। इसके बाद धूप निकली तो फिर पूरे दिन तपिश सताती रही। हालांकि 17 जून से प्री मानसून बारिश शुरू हो सकती है। ोर में तीन बजे के करीब गरज–चमक शुरू हुई तो पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी की इंतहा का सामना कर रहे शहरवासियों के मन में नई उम्मीद जगी। सुबह तक आसमान में छाए बादल इस उम्मीद को हवा देते रहे। यह अलग बात रही कि सुबह 10 बजे के बाद बादलों की ओट से निकली धूप ने फिर तपिश झेलने के लिए विवश कर दिया। इसके बाद यही स्थिति पूरे दिन बनी रही।

लाभ की खेती साबित हो रही पिपरमिंट, मवेशी भी नहीं पहुंचाते नुकसान

कम लागत में अधिक मुनाफा देने के कारण पिपरमिंट की खेती किसानों को भा गई है

मल्लावा (संवाददाता)। मेंथा (पिपरमिंट) की खेती क्षेत्र के किसानों के लिए लाभ का सौदा साबित हो रही है। पिपरमिंट की फसल को मवेशी भी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इससे किसानों को रखवाली करने की चिंता कम करनी पड़ती है। कम लागत में अधिक मुनाफा देने के कारण पिपरमिंट की खेती किसानों को भा गई है। इस साल किसानों ने करीब 125 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पिपरमिंट की पौध लगाई है।पिपरमिंट से होने वाली आमदनी ने किसानों का मन मोह लिया है। पहले पिपरमिंट की खेती बंदायू, रामपुर, बरेली, पीलीभीत और बाराबंकी आदि जनपदों में होती थी। कुछ साल पहले पिपरमिंट फसल की शुरुआत क्षेत्र में हुई और समय के साथ अब अधिक खेतों में दिखने लगी है। मढ़िया गांव निवासी विजय कुमार, माहिमपुर निवासी बबलू विनोद समेत अन्य किसानों ने बताया कि जब इस फसल की शुरुआत की गई तो लोगों के लिए एकदम नई फसल थी।फसल की पेराई के लिए दूर–दराज लगे वाष्पन प्लांट पर जाना होता था। फसल के प्रति किसानों की रुचि और अधिक फसल होने के कारण अब जगह–जगह पर वाष्पन के प्लांट उपलब्ध हैं। बताया कि पिपरमिंट के लिए बलुई दोमट और मटियार दोमट भूमि उपयुक्त रहती है। खेत समतल होना चाहिए। पौधा तैयार करने का उचित समय 15 जनवरी से 15 फरवरी है। देर से बुआई कर तैयार की गई पौध में तेल की मात्रा कम हो जाती है। पौधा तैयार हो जाने पर इसकी रोपाई मार्च से अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह तक हो जानी चाहिए।पिपरमिंट की रोपाई लाइन में की जाती है। ऐसे में लाइन से लाइन की दूरी 45 से 60 सेंटीमीटर और पौध से पौध की दूरी 15 सेंटीमीटर रखना चाहिए। इस फसल की अच्छी उपज के लिए 120 से 150 किलो नाइट्रोजन, 50 से 60 किलोग्राम फॉस्फोरस, 40 किलोग्राम पोटाश, 20 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग की जानी चाहिए। फसल में दीमक लगने पर क्लोरपायरीफॉस 4–5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से सिंचाई के साथ प्रयोग करें।

बालदार सुंडी लगने पर इन डाईक्लोरपॉस 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 से 700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।पहली कटाई लगभग 100 से 120 दिन पर जब पौधों में कलियां आने लगे तब करना चाहिए। दूसरी कटाई पहली कटाई से 70 से 80 दिन बाद की जाती है। फसल की दो कटिंग करने पर करीब 125 से 150 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से तेल निकल आता है। तेल की बिक्री स्थानीय मंडी के अलावा लखनऊ, कानपुर समेत अन्य जगहों पर आसानी से हो जाती है।

युवती ने पंप कर्मचारी पर तान दी रिवॉल्वर

हरदोई (संवाददाता)। हरदोई में शाहाबाद नगर के मोहल्ला गिगीयानी निवासी एहसान खान अपने परिवार के साथ कार से जा रहे थे। रात बिलग्राम नगर में स्थित एक पंप पर वह कार में सीएनजी डलवाने के लिए रुके थे। इसी दौरान पंप के कर्मचारी रजनीश ने सभी सवारियों को कार से उतरने के लिए कहा। इसको लेकर एहसान खान और रजनीश के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान एहसान की बेटी अरीबा खान ने कार में रखी पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाल ली और रजनीश के सीने पर अड़ा दी। आसपास मौजूद लोगों ने मामला शांत कराया। जानकारी पर पहुंची पुलिस में रजनीश से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज की है। लाइसेंसी रिवॉल्वर और 25 कारतूस पुलिस ने कब्जे में ले लिए हैं। सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह ने बताया की कार्रवाई की जा रही है। रात बिलग्राम नगर में स्थित एक पंप पर वह कार में सीएनजी डलवाने के लिए रुके थे। इसी दौरान पंप के कर्मचारी रजनीश ने सभी सवारियों को कार से उतरने के लिए कहा।

खाद्य सामग्री बेचने को लेकर ट्रेन और लोकल वेंडरों में चले लात-घूंसे

हरदोई (संवाददाता)। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के पैंट्री वेंडर और लोकल वेंडरों के बीच शनिवार देर शाम प्लेटफार्म पर जमकर लात–घूंसे चले। ट्रेन में खाद्य सामग्री बेचने को लेकर हुई मारपीट में जिम्मेदार दूरी बनाए हुए हैं। हालांकि, कोई गंभीर चुटहिल नहीं हुआ। वहीं, आरपीएफ इस मामले में कोई कार्रवाई न करते हुए घटना से ही इन्कार कर रही है।

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडरों की भरमार है। जिम्मेदारों के संरक्षण में अवैध वेंडरिंग चरम सीमा पर है और यात्रियों को अनाधिकृत वस्तुओं की बिक्री भी जमकर की जा रही है। पूर्व डीआरयूसीसी सदस्य से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार रात 15128 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस हरदोई स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या चार पर रात 8रू55 बजे पहुंची। ट्रेन आने पर लोकल वेंडर खाद्य सामग्री लेकर ट्रेन के बंदर बेचने पहुंच गए।इस पर पैंट्री कार के वेंडरों ने आपत्ति जताई। कहासुनी की बात हाथापाई पर उतर आई। इसी बीच एक वेंडर ने ईंट उठाकर फेंकना शुरू कर दिया। वेंडरों के बीच लड़ाई होता देख यात्रियों की भीड़ एकत्र हो गई। लड़ाई होती रही, लेकिन आरपीएफ का कोई जवान नहीं पहुंचा। ट्रेन जाने के बाद लड़ाई बंद हुई। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि स्टेशन पर वेंडरों के बीच में हुई लड़ाई की जानकारी नहीं है। ट्रेन में खाद्य सामग्री बेचने को लेकर हुई मारपीट में जिम्मेदार दूरी बनाए हुए हैं। हालांकि, कोई गंभीर चुटहिल नहीं हुआ।

मोहित कर रही राजा राम की दिव्य छवि

अयोध्या (संवाददाता)। सूरज की पहली किरण जैसे ही अयोध्या की पवित्र धरा को चूमती है, घंटियों की मधुर ध्वनि और जय श्रीराम के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठता है। रविवार अयोध्या धाम के लिए कोई साधारण दिन नहीं होता, यह वो अवसर होता है जब समय मानो ठहर जाता है, सांसें भक्ति में रच–बस जाती हैं, और हर हृदय राममय हो उठता है। इस रविवार भी रामलला के दरबार में श्रद्धा का सागर उमड़ा। राजा राम की दिव्य छवि श्रद्धालुओं को मोहित करती रही। दूर–दूर से आए श्रद्धालुओं के चेहरे पर यात्रा की थकान नहीं, बल्कि रामलला के साक्षात दर्शन की उत्कंठा नजर आ रही थी।

अचानक प्रेमिका की हुई मौत, प्रेमी ने मांग में सिंदूर भरकर रचाई शादी

गोरखपुर (संवाददाता)। पिछले कुछ दिनों से जहां एक तरफ हम रिश्तों में दरार और प्रेम में धोखे की भयावह कहानियां सुन रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ महराजगंज के निचलौल से एक ऐसी खबर सामने आई है। जिसने सबको चौंका दिया है। यहां एक प्रेमी ने अपनी मृत प्रेमिका की अंतिम विदाई से पहले उसकी मांग में सिंदूर भर अपनी पत्नी बना ली। सोशल मीडिया पर यह हृदयस्पर्शी दृश्य देखकर लोगों को हिंदी सिनेमा के बादशाह शाहरुख खान की फिल्म कुछ कुछ होता है का वो मशहूर डायलॉग याद आ गया, हम एक बार जीते हैं, एक बार मरते हैं, शादी भी एक बार होती है, और प्यार भी एक बार ही होता है। यह घटना भी कुछ ऐसी ही है। जानकारी के मुताबिक, निचलौल के कृष्णा नगर वार्ड की रहने वाली 22 वर्षीय प्रियंका मद्धेशिया का शहर के ही रहने वाले सन्नी मद्धेशिया के साथ कई वर्षों से प्रेम संबंध था। जैसे ही दोनों के परिजनों को इसकी भनक लगी तो आपसी सहमति से शादी की तिथि 29 नवंबर को तय हो गई। दोनों पक्ष शादी के लिए तैयारी में भी जुट गए। लेकिन दुर्भाग्यवश इसी बीच युवती प्रियंका घर के अंदर अचेत अवस्था में मिली। जिसे परिजन आनन फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने युवती प्रियंका को मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार वर्मा के अनुसार, यह पारिवारिक मामला है। फिलहाल मृत प्रियंका के पोस्टमार्टम रिपोर्ट को विसरा सुरक्षित कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है, कि युवक लड़की के गालों और माथे पर ठीक वैसे ही सिंदूर लगा रहा है। जैसे कोई अपनी नवविवाहित दुल्हन को सिंदूर लगाता है।

महज एक फिट जमीन के लिए...बुजूर्ग की गला रेतकर हत्या

गोरखपुर (संवाददाता)। गोरखपुर बताया जाता है कि पिछले सप्ताह भी तीन फिट जमीन को लेकर आपसी में विवाद हुआ था। थाने पर इसकी पंचायत भी हुई थी। घर के पास तीन फिट की जमीन को लेकर बुजूर्ग का पटीदारों से विवाद चल रहा था।चौरीचौरा थानाक्षेत्र के बिलारी गांव में रविवार की देर रात दो बजे बुजुर्ग राजेन्द्र यादव (65) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जमीनी विवाद में हत्या की आशंका जताई जा रही है।प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि पिछले सप्ताह भी तीन फिट जमीन को लेकर आपसी में विवाद हुआ था।थाने पर इसकी पंचायत भी हुई थी। घर के पास तीन फिट की जमीन को लेकर बुजूर्ग का पटीदारों से विवाद चल रहा था।

नाव में क्षमता से अधिक सवार थे लोग, गोरखपुर के राप्ती नदी में पलटी, एक की मौत, १३ ने तैरकर बचाई जान

गोरखपुर (संवाददाता)। बड़हलगंज कोतवाली क्षेत्र के नेतवार पट्टी गांव के 14 ग्रामीणों से भरी छोटी नाव (डेंगी) रविवार को दोपहर में राप्ती नदी में पलट गई। इसमें 13 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन पवारू यादव (55) की डूबने से मौत हो गई। ये सभी ग्रामीण अपनी जमीन की पैमाइश कराने के लिए देवरिया जनपद के मदनपुर इलाके के कुंडा मुहाल गांव के धनया टोला जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, नेतवार पट्टी गांव के कुछ किसानों की जमीन देवरिया जनपद के मदनपुर थाना के कुंडा मुहाल के धनया टोला में है। रविवार को राजस्व विभाग की ओर से उनकी जमीन की पैमाइश होनी थी। इसके लिए पवारू यादव, ग्राम प्रधान सत्यदेव यादव, शेषनाथ यादव, मुकेश यादव, जयप्रकाश समेत 14 ग्रामीण दोपहर 12 बजे नाव (डेंगी) पर सवार होकर नदी उस पार धनया टोला के लिए निकले। घाट के 20 मीटर पहले ही नाव अचानक पलट गई। इनमें से 13 लोगों ने तैरकर जान बचा ली, मगर पवारू यादव डूब गए। गोताखोरों की मदद से उनका शव बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही देवरिया की मदनपुर व गोरखपुर की बड़हलगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौत की सूचना पर गांव में कोहराम मच गया। नेतवारपट्टी गांव के लोग जिस नाव (डेंगी) पर सवार थे, उसकी क्षमता पांच से छह की थी। लेकिन, उसपर 14 लोग सवार थे। नाव भी सूखी थी, जिसकी काफी समय से मरम्मत भी नहीं हुई थी। नदी में तेज हवा के झोंके से नाव पलट गई। हादसे के बाद तैरकर बाहर आए लोगों ने बताया कि नाव पलटी तो भतीजे की जान बचाने के लिए पवारू यादव ने अपने जान की बाजी लगा दी। वह तैरना जानते थे। भतीजे जयप्रकाश को डूबता देख उसे बचा लिया, लेकिन खुद नदी में डूब गए। पवारू के पांच बच्चे हैं। तैरकर बाहर आए मुकेश यादव ने बताया कि नाव भदिला प्रथम गांव की थी। यह सूखी हुई थी यानी बहुत दिनों से पानी में नहीं गई थी। फोन गिर गया, परिजन कॉल करते रहे रू नाव नदी में पलटी तो सवार लोगों के मोबाइल फोन पानी में गिर गए। घर से परिजन उन्हें कॉल करते रहे लेकिन बात नहीं हो सकी। आसपास मौजूद लोगों के फोन से परिजनों को घटना की जानकारी हुई। नाव पर सवार शेषनाथ यादव ने बताया कि नाव पलटते ही चीख–पुकार मच गई। बड़हलगंज थाना क्षेत्र के नेतवारपट्टी गांव स्थित राप्ती नदी में नौ अक्तूबर 2022 को भी नाव पलट गई थी। हादसे में नाव पर सवार दो लोगों की मौत हो गई थी। उस समय भी डोंगी नाव पर नेतवारपट्टी गांव की एक महिला सहित छह लोग सवार होकर पशुओं के लिए चारा लेने राप्ती नदी के दूसरी तरफ देवरिया जिले के भदिला गांव की तरफ जा रहे थे। नदी पार करते समय अचानक अनियंत्रित होकर नाव डूबने लगी। किसी तरह लोगों ने महिला व अन्य 4 युवकों को बचा लिया। लेकिन, उसपर सवार बृजेश यादव (22) व बलिराम सिंह (30) डूब गए थे।

खुलेंगे विद्यालय, एक जुलाई से आएंगे बच्चे

सीतापुर (संवाददाता)। गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यालय खुलेंगे हालांकि नौनिहाल एक जुलाई से पढ़ने आएंगे। इस अवधि में शिक्षक अधूरे काम पूरे करेंगे। बीएसए ने शिक्षकों को समय से विद्यालय पहुंचने के निर्देश दिए हैं। परिषदीय विद्यालयों में 20 मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहा है। भीषण गर्मी की वजह से शासन ने नौनिहालों की छुट्टियां 30 जून तक बढ़ा दी हैं। अब एक जुलाई से विद्यार्थियों के लिए विद्यालय खुलेंगे। तब तक शिक्षक रोजाना विद्यालय जाएंगे। इस दौरान वह नौनिहालों का आधार कार्ड बनवाएंगे। डीबीटी की प्रक्रिया पूरी करेंगे। पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं में इजाफा करेंगे। वह रोजाना 11 बजे तक विद्यालय में मौजूद रहेंगे। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि विद्यालय सोमवार से खुल जाएंगे।

गर्मी में दिन का चौन और रात की नींद दोनों गायब हो चुकी है।

उतरौला बलरामपुर तहसील क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में थे, जिस से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो चुका है। चिलचिलाती धूप और तपती हवाओं ने जहां लोगों को बेहाल कर दिया है, वहीं विद्युत विभाग की लापरवाही और अनियमित बिजली आपूर्ति ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है।स्थानीय सूत्रों का कहना है कि नगर क्षेत्र में लगातार ट्रिपिंग और लोड शेडिंग के नाम पर घंटों घंटों बिजली कटौती की जा रही है। बिना किसी पूर्व सूचना के ही बिजली काटी जा रही है। यह अघोषित बिजली कटौ ती को लेकर नागरिकों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गर्मी में दिन का चौन और रात की नींद दोनों गायब हो चुकी है। पंखे, कूलर और एसी भी शोपीस बनकर रह गए हैं।ग्रामीण इलाकों की स्थिति तो और भी दय नीय है, जहां दिन और रात की पाली को मिला कर मात्र 6 से 7 घंटे की ही बिजली आपूर्ति हो पा रही है। इससे जहां किसानों की धान की नर्सरी की सिंचाई पर प्रभावित हो रही है,वहीं छोटे उद्योग, दुकानदार, विद्यार्थी और सामान्य जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है।बिजली विभाग की ओर से लगा तार बहानेबाजी और तकनीकी खामियों का हवाला दिया जा रहा है, जबकि क्षेत्रीय जनता अब जवाब मांगने को तैयार है। स्थानीय निवा सी यह सवाल उठा रहे हैं, कि जब तयशुदा रोस्टर के अनुरूप बिज ली आपूर्ति नहीं हो पा रही है, तो उपभोक्ताओं से पूरा बिजली बिल क्यों वसूला जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की चुप्पी भी लोगों को खटक रही है। लोग यह महसूस कर रहे हैं कि जनता के मूलभूत अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। नागरिकों का कहना है कि अगर बिजली व्यव स्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ तो वे आन्दो लन करने के लिएविवश होंना पड़ेगा।भीषणगर्मी में बिजली संकट अब केवल असुविधा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और सुरक्षा का सवाल बन चुका है। लोगों ने जिला धिकारी और ऊर्जा मंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की है ताकि जल्द से जल्द इस गम्भीर समस्या का समाधान निकल सके।

फरियादी हुए बे असर,भू माफिया की मिली भगत से राजस्व कर्मियों ने करा दिया पीड़ित की जमीन पर कब्जा।

उतरौला बलरामपुर

जनता दर्शन हो, सम्पूर्ण समाध ाान दिवस हो या थाना समाधान दिवस क्यों न हो पीडित फरियादी को न्याय मिलने की अपेक्षा उनके साथ बेमानी होती हुई नजर आ रही है। पुलिस और राजस्व विभाग अगर अपने पर आ जाएं तो नियम–कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। माडर्न थाना श्रीदत्त गंज अन्तर्गत ग्राम महदे इया पुलिस चौकी के ग्राम मुजहना का निवा सी शिव कुमार चौहान अपनी जमीन पर हो रहे,भू माफिया केअवैध कब्जे को रोकवाने के लिए इधर उधर दौड़ता ही रहा, लेकिन संवेदन हीन अधिकारी व मात हत अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से भागते रहे। पक्का निर्माण शुरू होने के बाद राजस्वनिरी क्षक और लेखपालध पुलिस बल के न मिलने की बात कहकर मौके पर जाने से कतरा रहे हैं। पुलिस स्टे ऑर्डर के न होने की बात कहकर मौके पर नहीं जा रही है। पीड़ित ने बताया कि अपनी जमीन पर हो रहे अवैध ा निर्माण कोरोकने के लिए उपजिलाधिका री को जनता दर्शन में प्रार्थना पत्र दिया। उप जिलाधि ाकार ने राजस्व निरीक्षक व पुलिस बल को मौके पर जाकरवैधा निक कार्यवाही करने का निर्देश दिया।राजस्व निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव औरलेखपाल अर्जुन उपाध्याय ने बताया, कि मौके पर जाने के बाद ही शिका यत कर्ता का आरोप सही पाया गया। पुलिस बल उपलब्ध न होने के कारण निर्माण कार्य रोका नहीं जा सका है। शनिवार को उसने थाना समाध ाान दिवस में तह सीलदार को अपनी जमीन पर हो रहेनिर्माण रोकने का प्रार्थना पत्र दिया। तहसीलदार ने पीड़ित से ही जमीन के स्वामित्व का प्रमाण मांगना शुरू कर दिया। राजस्व निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव के स्वी कारोक्ति के बाद तहसी लदार ने पीड़ित को स्टे लेने की सलाह दी। इस खींचतान वअधि ाकारियों की लापरवाही का लाभ उठाते हुए भू माफिया ने पक्का निर्माण शुरू कर दिया है। रविवार को जब इस सम्बन्ध में राजस्व निरीक्षक से पूछा गया, तो उन्होंने बताया था कि उपजिला धिकार ने पुलिस बल की उपस्थिति में ही कार्यवाही करने का निर्देश दिया था। लेकिन पुलिस बल के न मिलने के कारण जमीन पर हो रहे कब्जे को रोका नहीं जा सका। उन्होंने यह भी बताया, कि अवैध निर्माण गिराने के लिए उच्च न्यायालय से आदे श लाना पड़ेगा। सवाल यह उठता है कि निर्धन व्यक्ति को स्थानीय स्तर पर न्याय मिलने में इत नी समस्या हुई उसे उच्च न्यायालय से आदे श लाने मे कितनी कठि नाइयों का सामना करना पड़ेगा।

नियुक्ति पत्र मिले, जिम्मेदारी का हुआ अहसास

सीतापुर (संवाददाता) । लखनऊ में मुख्यमंत्री के हाथों से नियुक्ति पत्र लेकर लौटे सिपाहियों में अपने अनुभव साझा किए। आरक्षी (सिपाही) भर्ती में कहीं किसान के बेटे ने सफलता हासिल की है तो कहीं एक ही परिवार के तीन लोग एक साथ सिपाही बने हैं। सिपाहियों ने बताया कि कम संसाधनों में उन्होंने परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसके साथ ही परीक्षा भी निष्पक्ष रूप से हुई है। रविवार भोर ही एसपी व पुलिस बल की मौजूदगी में सभी को लखनऊ मुख्यालय रवाना किया गया। जिले के पांच थाना क्षेत्रों में 41 स्थानों पर चयनित सिपाहियों को ठहराया गया था। ये सभी रविवार को लखनऊ नियुक्ति पत्र लेने रवाना हुए। सीतापुर जिले के 395 व कुल छह हजार सिपाही रविवार सुबह लखनऊ रवाना हुए थे।

देर रात्रि तक विधायक राम प्रताप वर्मा ने प्रसाद वितरण कराया।

उतरौला बलरामपुर नगर पालिका के मोहल्ला रफी नगर में श्री कैंची धाम के स्था पना दिवस पर नगर दो दिवसीय अखंड रामाय ण पाठ का आयोजन किया गया है। इसके पश्चात देर रात्रि तक विध ाायक राम प्रताप वर्मा ने प्रसाद का वित रण कर भंडारे का शुभारम्भ किया।भंडारे के भजनों का सिलसि ला चलता रहा। भंडारे में सदर विध ाायक पल्टू राम भाजपा के जिला ध यक्ष रवि कुमार मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप चन्द गुप्ता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, राकेश सिंह, चन्द्र प्रकाश सिंह, बिन्दु विश्वकर्मा, सुधीर कुमार श्रीवास्तव, संदीप कुमार वर्मा,रमेश जयसवाल फणीन्द्र गुप्त देवा नन्द गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, राहुल कुमार गुप्ता, रोहित गुप्ता सहित तमाम आयोजक भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने किया 'आकाश इनविक्टस कैंपस' का शुभारंभ
दृ नई दिल्ली में इंजीनियर बनने के इच्छुक छात्रों के लिए श्रम्म्तैयारी का गेम-चेंजर प्लेटफॉर्म

' सर्वश्रेष्ठ कोर्सवेयर

' भारत के सर्वश्रेष्ठ \फैकल्टी एक ही छत के नीचे दृ 40 से अधिक शहरों में 500 से अधिक अनुभवी शिक्षक, जिन्होंने अब तक एक लाख से अधिक छात्रों को IIT में पढ़ाई का सपना साकार करने में मदद की है।

' अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और एआई–सपोर्टेड प्लेटफॉर्म दृ छात्रों को बेहतर और व्यक्तिगत लर्निंग अनुभव प्रदान करने के लिए।

' आकाश की विश्वसनीय प्रक्रियाएं और सिस्टम दृ जो 40 स्थानों पर उच्च गुणवत्ता और समान स्तर की पढ़ाई सुनिश्चित करते हैं।

' अधिक जानकारी के लिए छात्र एवं अभिभावक 7303759494 पर संपर्क करें या support-invictus@aesl-पद पर ईमेल करें।

नई दिल्ली (गगन विहार), 14 जून 2025: आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (AESL), जो कि परीक्षा तैयारी सेवाओं में देश का अग्रणी संस्थान है, ने आज प्लॉट नंबर 08, गगन विहार, नई दिल्ली में आकाश इन्विक्टस कैम्पसका शुभारंभ किया। यह अत्याधुनिक और अपने प्रकार की पहली उन्नत सुविध ाा है, जिसे विशेष रूप से श्रम्म की तैयारी कर रहे देश के सबसे मेधावी और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग अभ्यर्थियों के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रतिष्ठित, उच्च–गहनता वाला, व्यक्तिगत, एआई–समर्थित और परिणाम–केंद्रित उपक्रम उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो प्प्ज या प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में दाखिले की तैयारी कर रहे हैं।

आकाश इन्विक्टस कैम्पस एक उन्नत शैक्षणिक अनुभव के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करता है। इस परिसर में 13 आधुनिक क्लासरूम हैं, जो श्रम्म की तैयारी के लिए एक केंद्रित और व्यक्तिगत वातावरण प्रदान करते हैं। अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और विशाल डिजाइन के साथ, यह परिसर दो शिफ्टों में 1,300 छात्रों को समायोजित कर सकता है, जिससे उन्हें विश्वस्तरीय शिक्षा और सफलता के लिए श्रेष्ठ संसाधनों तक पहुंच प्राप्त होती है।

आकाश इन्विक्टस भारत के लगभग 500 सर्वश्रेष्ठ श्रम्म फैकल्टी को एक छत के नीचे लाता है, जो अब तक एक लाख से अधिक छात्रों को प्प्जे में प्रवेश दिलाने में सफल रहे हैं। पाठ्यक्रम अत्याधुनिक है और विशेष रूप से उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो प्प्ज में टॉप रैंक हासिल करना चाहते हैं। कार्यक्रम में इंटीग्रेटेड फिजिटल लर्निंग, विशेष अध्ययन सामग्री, सटीक तैयारी के लिए एआई–समर्थित और अनुकूली शिक्षण संसाधन शामिल हैं।

इस कठिन लेकिन उत्कृष्ट कार्यक्रम में एक संपूर्ण रिवीजन और टेस्टिंग मॉड्यूल शामिल है, जो श्रम्म (Advanced) परीक्षा से पहले के अंतिम चरणों में लक्षित तैयारी पर केंद्रित है। छात्रों को विशेष पाठ्यक्रम, डाउट–क्लियरिंग सेशंस और एक रणनीतिक रूप से तैयार की गई टेस्ट सीरीज का लाभ मिलेगा, जिसका उद्देश्य उनके प्रदर्शन को अधिकतम करना है। ोि प्दअपबजने में छोटे बैच होंगे ताकि छात्रों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन और ध्यान मिल सके।

डॉ. यश पाल, चीफ ऑफ अकैडमिक्स ऐंड बिजनेस हेड, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने कहा,ष्आकाश इन्विक्टस केवल एक कोचिंग प्रोग्राम नहीं है, बल्कि उन छात्रों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा है जो टॉप प्प्ज रैंक लाने का सपना देख रहे हैं। यह कैंपस अनुभवी फैकल्टी, अत्याधुनिक शिक्षण विधियों और व्यक्तिगत, ।प् व टेक–आधारित लर्निंग को एक साथ लाता है। वर्षों से हमारे शिक्षकों ने लाखों छात्रों को प्प्ज में प्रवेश दिलाने के लिए सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया है। यहां अध्ययन सामग्री को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को कवर किया गया है और इसे उद्योग के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों द्वारा विकसित किया गया है। हमें पूरा विश्वास है कि यह सर्वोत्तम है कृ यदि आप इससे बेहतर सामग्री बना सकते हैं, तो हम आपको पुरस्कार देंगे और अपनी टीम में आपका स्वागत करेंगे।"

उन्होंने आगे कहा, ष्यह प्रोग्राम, जो कुछ महीनों पहले शुरू हुआ था, अब तक 2500 से अधिक शीर्ष छात्रों को आकर्षित कर चुका है। तीन मुख्य स्तंभों दृ अभिनव शिक्षण पद्धतियाँ और कोर्सवेयर, विशेषज्ञ फैकल्टी और उन्नत AI टूल्स दृ पर आधारित आकाश इन्विक्टस श्रम्म की तैयारी में नए मानक स्थापित करेगा। इन सभी नवीन सुविधाओं के पीछे आकाश की विश्वसनीयता, भरोसा और तकनीकी विशेषज्ञता है।"

कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता इसकी अध्ययन सामग्री में नवाचार पर विशेष फोकस है। छात्रों को अध यायवार अभ्यास वर्कशीट्स दी जाएंगी, जिनमें फ्त कोड के माध्यम से विस्तृत समाधान और चरणबद्ध अंकन योजना मिलेगी, जिससे वेJEE के साथ–साथ स्कूल और बोर्ड परीक्षाओं में भी उत्कृ ष्ट प्रदर्शन कर सकें। अतिरिक्त सुविध ााओं में प्रतिस्पर्धी ओलंपियाड्स के लिए वर्कशॉप्स, श्रम्म के पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अध्यायवार ब्रेकडाउन और समाधान, तथा श्रम्म चौलेंजर संसाधन शामिल हैं, जो रणनीति को परिष्कृत करने के लिए इनसाइट्स, प्रैक्टिस प्रश्न और विश्लेषण प्रदान करता है।

इसके अलावा, कार्यक्रम फिजिटल अध्ययन सामग्री को एकीकृ त करता है, जो भौतिक और डिजिटल संसाधनों की ताकत को मिलाकर जटिल विषयों को आसान बनाता है, और विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा रिकॉर्डेड वीडियो व्याख्यान प्रदान करता है ताकि छात्र अपनी सुविधा अनुसार कभी भी सीख सकें।

आकाश इन्विक्टस में प्रवेश अत्यंत चयनात्मक है दृ केवल प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध छात्रों को एक विशेष प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चुना जाता है। यह कार्यक्रम दो वर्षों का है जो कक्षा 11 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए तैयार किया गया है, जबकि कक्षा 10 से शुरुआत करने वाले छात्रों के लिए तीन वर्षीय विकल्प भी उपलब्ध है।

आकाश इन्विक्टस भारत के 40 शहरों दृ जैसे दिल्ली छब्त्, चंडीगढ़, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, जयपुर, कोटा, पटना, रांची, बोकारो, कोलकाता, दुर्गापुर, भुवनेश्वर, मुंबई, पुणे, नागपुर, अहमदाबाद, वडोदरा, इंदौर, भोपाल, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, देहरादून और मदुरै दृ में उपलब्ध होगा। यह पाठ्यक्रम एक समर्पित अनुसंधान टीम द्वारा विकसित किया गया है, जो उच्चतम अकादमिक मानकों और बदलते परीक्षा प्रारूपों के अनुरूप एक परिवर्तनकारी शैक्षणिक अनुभव सुनिश्चित करता है।

अधिक जानकारी के लिए अभिभावक और छात्र 7303759494 पर संपर्क करें या `नचचवतज. पदअपबजने/मेस.पद पर ईमेल करें।

झांसा देकर महिला को ठगा

सीतापुर (संवाददाता) । ठगों ने पूजा–पाठ करवाने का झांसा देकर एक महिला के जेवर–नकदी पार कर दी। सदरपुर के देवहरा निवासी चंपा देवी अपने बच्चों के साथ महमूदाबाद आईं थीं। पुलिस चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर बिसवां मोड़ के पास उन्हें दोपहर में दो अज्ञात व्यक्ति मिले। दोनों ने पूजा–पाठ कराने के नाम पर सोने के कान के बाले, गले का माला व 11 हजार रुपये ले लिए। ठगी करने के बाद जालसाज वहां से भाग गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और घटना की जानकारी पुलिस को दी। दिनदहाड़े हुई टप्पेबाजी की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वाधान में आरएचएन फाउंडेशन द्वारा १६/०६/२५ को आयोजित हुआ निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

जिला संवाददाता श्रावस्ती रवि नन्दन शुक्ला की रिपोर्ट।

नेत्र चिकित्सा शिविर में आए मोतिया बिन्द के मरीजों का सीतापुर हास्पिटल में होगा निशुल्क आपरेशन

श्रावस्ती जिले के सिरसिया ब्लॉक के आह्लाद नगर टिटिहिरिया ग्राम सभा के पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वाधान में राध ेलाल हरिनारायण चौरिटेबल ट्रस्ट (आरएचएन फाउन्डेशन) के सौजन्य से चलाई जा रही रज्जू भैया मोबाइल नेत्र सेवा की ओर से निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ।

भारत मांता के चित्र पर माल्यार्पण, पूजन अर्चन व आरती कर किया गया द्य आरएचएन फाउन्डेशन के संयोजन में आए सीतापुर आंख अस्पताल से डॉ राहुल वर्मा एवं शिविर संचालक शैलेन्द्र शुक्ल की टीम द्वारा शिविर में आए लगभग 95 ग्रामीण मरीजो की जांच की व लोगों को तीद फाउंडेशन द्वारा निशुल्क दवा व चश्मे वितरित किए । इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यवाह अनिल जी की टीम काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण सहयोगी की भूमिका में सक्रिय रहे ।

कहीं डॉक्टर नहीं तो कहीं बंद मिला दरवाजा

हरदोई (संवाददाता) । मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन अब खानापूर्ति तक सीमित रह गया है। शहर से लेकर गांव तक जन आरोग्य मेलों में चिकित्सक पहुंच ही नहीं रहे। केंद्र का अन्य स्टाफ मरीजों को दवा बांट रहा है। ऐसे में लोगों को जन आरोग्य मेले का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आयोजित हुए जन आरोग्य मेले की पड़ताल की गई तो एक पीएचसी पर चिकित्सक मौजूद नहीं मिले तो दूसरा अर्बन पीएचसी दो बजे से पहले बंद मिला। चिकित्सकों के न पहुंचने से मरीजों ने भी आरोग्य मेलों से दूरी बना रखी है। इक्का दुक्का सर्दी व खांसी के मरीज पहुंचते हैं तो स्टाफ उन्हें दवा देकर चलता कर देता है। जिम्मेदारों की मनमानी के चलते लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ ही नहीं मिल पा रहा है।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान सुनी जनसमस्याएं

फरियादी ने गलत परगना के द्वारा दूसरे के नाम दर्ज हुई भूमि को वापस दिलाये जाने हेतु जिलाधिकारी से लगायी गुहार

जिलाधिकारी ने सहायक चकबन्दी अधिकारी को मौके पर जाकर जांच कर कार्यवाही का दिया निर्देश

श्रावस्ती, 16 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान फरियादी गुल्ले व जगदीश प्रसाद पुत्र कृपाराम निवासी ग्राम कुरबेनी तहसील इकौना के द्वारा जिलाधि ाकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि उनका चालीस

लोगों का संयुक्त परिवार है। जिनके जीविकोपार्जन का एकमात्र साधन पैतृक भूमि है, जो मौजा परेवपुर तहसील इकौना में है। उक्त भूमि गलत परगना के द्वारा गायत्री देवी के नाम दर्ज हो गयी है और उसका बैनामा भी कर दिया गया है। फरियादी ने जिलाधिकारी महोदय से अपनी जमीन वापस दिलाये जाने हेतु गुहार लगायी। जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल सहायक चकबन्दी अधिकारी को बुलाकर निर्देशित किया कि मौके पर जाकर प्रकरण की पूर्ण जांच की जाए और उचित कार्यवाही करते हुए उन्हें भी अवगत कराया जाए।

इस दौरान जिलाधिकारी को 09 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों को तीन दिवस में निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि शिकायतो का निस्तारण कागज पर नही बल्कि धरातल पर दिखे यह सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारी सुनिश्चित करे नही तो कार्यवाही के लिए तैयार रहे। उन्होने यह भी बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रतिमाह जनशिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की जा रही है। इसलिए जनता दर्शन में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना जाए तथा गुणवत्तापूर्ण ढंग से समस्याओं का निस्तारण प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए और शिकायतों के निस्तारण में समय–सीमा का विशेष ध्यान रखे, ताकि फरियादियों को किसी प्रकार की समस्या न हो।

भारतीय कलाओं की नई संरक्षक बन रहीं महिलाएं

लखनऊ (संवाददाता)। हमारे देश की बहुत सी ऐसी कलाएं हैं जो धीरे–धीरे विलुप्त होती जा रही हैं। जिन विधाओं की खुशबू से कभी पूरा देश महकता था वह अब गुम होती जा रही है। इनमें सतारा, पखावज और सारंगी मुख्य है। इन्हें बचाने के लिए भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में कला अभिरुचि कार्यशाला चलाई जा रही है। देश की संस्कृति को सहेजने में महिलाएं पहले पंक्ति में खड़ी नजर आ रही हैं। लोकनृत्य, भारत नाट्यम, ढोल वादन, शास्त्रीय गायन, पखावज आदि भारतीय विध ाा को महिलाएं सहेजने में लगी हैं। इन कार्यशालाओं में 84 प्रतिशत महिलाएं प्रशिक्षण ले रही हैं। इनमें पांच से दस साल की बच्चियां, युवतियां और 75 साल तक की महिलाएं शामिल हैं। इनका कहना है कि वे भारतीय संस्कृति को सहेजकर उसकी खुशबू पूरी दुनिया में फैलाना चाहती हैं। कथक नृत्य प्रशिक्षिका एकता मिश्रा का कहना है कि कथक की कार्यशाला में कई ऐसी प्रतिभाएं है जो इस विध ाा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। मुझे खुशी है कि महिलाएं घर की जिम्मेदारी उठाने के साथ हमारी विरासत को सहेजने में बढ़चढ़ कर आगे आ रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

आप सभी सम्मानित बंधु ओं को सूचित किया जाता है कि 21 जून 2025 को प्रातः 6रू00 बजे से 7रू00 तक सरस्वती विद्या मंदिर राजा बौंडी विद्यालय में योग दिवस पर्व पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित है आप सभी योगा प्रेमी बंधु समय से 10 मिनट पूर्व विद्यालय प्रांगण में उपस्थित होकर अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कार्यक्रम में सादर आमंत्रित हैं।

प्रधानाचार्य

मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, मा0 जिलाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को प्रदान किया चेक

जनपद के कुल 42 लाभार्थियों के खाते में दो करोड़ तीन लाख पचास हजार की धनराशि की गई हस्तानान्तरित

देश एवं प्रदेश सरकार किसानों के हित के लिए प्रतिबद्ध–मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत

प्रदेश सरकार किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कर रही ही कार्य–मा0 जिलाध्यक्ष

किसानों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली योजना–जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 16 जून, 2025। सू0वि0। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जनपद अम्बेडकरनगर से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को चेक प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम के तहत जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र, मा0 जिलाध्यक्ष डा0 मिश्रीलाल वर्मा एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र, मा0 जिलाध यक्ष, जिलाधि ाकारी एवं अपर जिलाधि ाकारी द्वारा लाभार्थियों को डेमो चेक देकर आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिसमें जनपद के कुल 42 दावों के लाभार्थियों को दो करोड़, तीन लाख पचास हजार रूपये की धनराशि उनके खाते में हस्तानान्तरित कर लाभान्वित किया गया। इस दौरान माननीय जनप्रतिनिधियों, अधि ाकारियों एवं लाभार्थियों द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के वर्चुअल कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया तथा मा0 मुख्यमंत्री जी के उद्बोध ान को भी सुना।

इस अवसर पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत ने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार किसानों के हित के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा किसानों के लिए अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है तथा पात्रता के आधार पर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। जिसके तहत आज मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को यह लाभ दिया गया है। जिससे निश्चित ही उन्हें मदद मिलेगी।

मा0 जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के माध्यम से सरकार प्रदेश के अन्नदाताओं को आर्थिक रूप से राहत पहुंचा रही है। किसी भी कृषक की आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना की स्थिति में उनके परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का यह प्रयास सराहनीय है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जनपद के कुल 42 दावों के मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को दो करोड़ तीन लाख पचास हजार रूपये की धनराशि वितरण किया गया है। जिसमें तहसील भिनगा के 13 दावे, इकौना के 12 एवं तहसील जमुनहा के 17 दावे सम्मिलित है। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से भी लगातार कृषक दुर्घटना बीमा योजना के लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाता रहा है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना एक ऐसी दूरदर्शी योजना है जो किसानों और उनके परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। किसी भी दुर्घटना की स्थिति में, चाहे वह मृत्यु हो या स्थायी दिव्यांगता, यह योजना तत्काल राहत देती है।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल, प्रभारी एल0आर0सी0 विश्वनाथ सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा लाभार्थी किसानों के परिवारीजन उपस्थित रहे।

बारिश से लड़खड़ाई जिले की विद्युत व्यवस्था

हरदोई (संवाददाता) । भीषण गर्मी में बदहाल लोगों को बारिश ने कुछ राहत प्रदान की, लेकिन शहर समेत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति पटरी से उतर गई। देर रात से ही शहर के कई मोहल्लों में बिजली गुल रही। वहीं, मल्लावां में तेज हवाओं के चलते बिजली के खंभे भी टूट गए। तमाम अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोकल फॉल्ट के चलते बिजली बंद रही। बिजली गुल होने से उपभोक्ताओं को गर्मी से बेहाल होना पड़ा। बीते कई दिनों से भीषण गर्मी लोगों को परेशान किए हुए है। गर्मी की वजह से न तो दिन में सुकून मिल रहा न ही रात में। गर्मी के मारे लोगों का बुरा हाल है। इससे देर रात करीब डेढ़ बजे के बाद बारिश हुई। इससे लोगों को राहत तो मिली, लेकिन राहत की बारिश विद्युत उपभोक्ताओं के लिए आफत बन गई। रात डेढ़ बजे के बाद ही शहर के तमाम मोहल्लों में बिजली गुल हो गई।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।